आपकी खबर, हमारी पहचान

जम्मू न्यूज़ मिशन

शहर, देश, शेयर बाजार, खेल

www.jammunewsmission.com jammunewsmission jammunewsmission jammunewsmission jammunewsmission

● वर्ष: 2 ● अंक: 8 ● पृष्ठ: 16 ● सोमवार ● सांबा (जम्मू-कश्मीर) ● 24 फरवरी, 2025 ● रुपए 5 ● Title Code No. JKHIN00426

जम्मू-कश्मीर में निवेश के लिए भूमि निवेश सुरक्षा उपाय होने चाहिए, स्थानीय युवाओं के लिए नौकरियां पैदा होनी चाहिए: उमर

श्रीनगर में सीआईआई जेएंडके वार्षिक सत्र-2025 में भाग लिया

श्रीनगर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारतीय उद्योग परिसंघ के जम्मू और कश्मीर वार्षिक सत्र-2025 शीर्षक अद्भुत जम्मू-कश्मीर नए विकास लक्ष्यों की आकांक्षा में भाग लिया।

भारतीय उद्योग परिसंघ जेएंडके काउंसिल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कारोबारी नेताओं, उद्योगपतियों, उद्यमियों और अन्य हितधारकों को एक साथ लाकर जम्मू-कश्मीर की आर्थिक वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक कार्रवाइयों पर चर्चा की गई, जिससे एक मजबूत और अनुकूलशील औद्योगिक और टिकाऊ उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता और व्यावसायिक क्षमता को आगे बढ़ाया जा सके।

सत्र को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की बातचीत दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और विशिष्ट सेवाओं और रणनीतिक वैश्विक संबंधों के माध्यम से उद्योगों के लिए व्यावसायिक अवसर पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह प्रमुख मुद्दों पर आम सहमति बनाने और नेटवर्किंग के लिए एक मंच भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने भाग लेने वाले उद्यमियों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे, जिन्हें जनता के समग्र कल्याण और लाभ के साथ-साथ उद्योगों, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों के लिए जम्मू और कश्मीर के आगामी बजट में शामिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार उद्यमशीलता प्रथाओं की आवश्यकता पर जोर दिया जो पूरे जम्मू-कश्मीर में स्थिरता सुनिश्चित करता है।

जम्मू-कश्मीर में निवेश बढ़ाने की वकालत करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे निवेशों को कृषि भूमि की रक्षा करने वाले कानूनों द्वारा विनियमित किया जाना चाहिए और हिमाचल प्रदेश की तरह भूमि निवेश सुरक्षा उपाय होने चाहिए, जिसने उचित प्रतिबंध लगाए हैं और साथ ही यह स्थानीय युवाओं के लिए नौकरियां सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने इस संबंध में एक सख्त नीति अपनाई है और जम्मू-कश्मीर में भी इसी तरह की नीति अपनाने पर जोर दिया है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उद्योग की सराहना की, उन व्यवसायों को स्वीकार किया जिन्होंने पूरी तरह से सरकारी सब्सिडी पर निर्भर हुए बिना चुनौतीपूर्ण समय का सामना किया है। उन्होंने दस वर्षों से अधिक समय तक व्यवसायों की व्यवहार्यता को ट्रैक करने के लिए एक तंत्र का प्रस्ताव करते हुए, दीर्घकालिक व्यापार स्थिरता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

व्यवसाय करने में आसानी पर, मुख्यमंत्री ने एक वास्तविक एकल-खिड़की निकासी प्रणाली की वकालत की, जिसमें नौकरशाही बाधाओं पर चिंताओं को हल किया गया, विशेष रूप से वन और पर्यावरण बोर्डों से मंजूरी प्राप्त करने में, जो विनिर्माण विकास में **शेष पृष्ठ 15 पर**

गुलाम मानसिकता वाले लोग विदेशी समर्थन से भारत की धार्मिक मान्यताओं का मजाक उड़ाते हैं: मोदी

छतरपुर (मप्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ पर आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर नेताओं के एक वर्ग को रविवार को आड़े हाथों लिया और कहा कि गुलाम मानसिकता वाले लोग विदेशी ताकतों के समर्थन से देश की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर हमला करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान केंद्र और कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए प्रयागराज में जारी महाकुंभ को '' एकता का महाकुंभ '' करार दिया।

मोदी ने प्रयागराज में 144 वर्षों के बाद हो रहे महाकुंभ के धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हो रहा

है। बागेश्वर धाम भगवान हनुमान से जुड़ा मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां हजारों लोग आते हैं। मोदी ने कहा, '' नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है। लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं।

उन्होंने कहा, हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी वेश में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हमारे मठ, मंदिरों पर हमारे संत, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ये लोग हमारे पर्व, परम्पराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो धर्म, जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, उस पर कीचड़ उछालने की ये हिम्मत **शेष पृष्ठ 15 पर**

इंडिया ने पाकिस्तान पर दर्ज की 'विराट' जीत

दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे लीग मैच में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट होस्ट कर रही पाकिस्तानी टीम को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी है। इस मैच में पहले भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान को 50 ओवर से पहले ही ऑलआउट कर दिया तो दूसरी ओर बल्लेबाजी में विराट कोहली के शानदार शतक की बदौलत भारत ने आसानी से पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज कर ली है। इस जीत को लेकर दिग्गजों ने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, शानदार प्रदर्शन!! टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाया। आपने दुनिया भर के लाखों क्रिकेट प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरकर सभी को गौरवान्वित किया है। आपके भविष्य के मैचों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

जम्मू न्यूज़ मिशन

श्रीमहाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी बुधवार को, जम्मूवासियों ने तैयारियां शुरू की

जम्मू

भगवान शिव के भक्तों के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक, श्रीमहाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष 26 फरवरी, बुधवार को मनाया जाएगा। इस पावन अवसर को लेकर जम्मूवासियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। जम्मू के रघुनाथ मंदिर, रणबीरेश्वर मंदिर और अन्य शिवालयों में भव्य तैयारियां चल रही हैं। शिवलिंग पर दूध, जल, बेलपत्र और धतूरा चढ़ाने के लिए श्रद्धालु जुटने लगे हैं। भक्तजन व्रत रखकर भगवान शिव की आराधना करेंगे और रात्रि जागरण का आयोजन किया जाएगा। शहर के बाजारों में बेलपत्र, फूल, फल, पंचामृत, धूप और गंगाजल की खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ने लगी है। मिठाई की दुकानों पर पेड़े और पंचामृत प्रसाद की मांग बढ़ गई है। वहीं, कई जगहों पर शिवभक्तों के लिए भंडारे भी लगाए जाएंगे।

शिवरात्रि के अवसर पर जम्मू में शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु शिव-गणों की झांकी के साथ नृत्य करते हुए भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का उत्सव मनाएंगे। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मंदिरों और प्रमुख स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन श्रीमहाशिवरात्रि मनाई जाती है महाशिवरात्रि शिव भक्तों के लिये विशेष महत्व रखती हैं। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष (ज्योतिषाचार्य) महंत रोहित शास्त्री ने महाशिवरात्रि के विषय में बताया शिवभक्तों का सबसे बड़ा त्योहार महाशिवरात्रि है। इस त्योहार का भक्तगण पूरे साल इंतजार करते हैं और महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही शिव मंदिरों में जुटने लगते हैं। इस वर्ष सन् 2025 ई. को महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी बुधवार को मनाया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के दृष्टिकोण से शिवरात्रि पर्व चतुर्दशी तिथि के स्वामी भगवान भोलेनाथ अर्थात स्वयं शिव ही हैं। इसलिए प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासशिवरात्रि के रूप में मनाई जाती है। पर उन सभी में सबसे महत्वपूर्ण फाल्गुन कृष्ण पक्ष की महाशिवरात्रि होती है,फाल्गुन माह की शिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हुआ था और इसी दिन ही भगवान शिव की लिंग रूप में उत्पत्ति हुई थी। ज्योतिष शास्त्रों में इस तिथि को अत्यंत शुभ बताया गया है।

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी सुबह 11 बजकर 09 मिनट से शुरू हो रही है, जो 27 फरवरी सुबह 08 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। महाशिवरात्रि की पूजा निशिता काल में की जाती है, इसलिए इस वर्ष महाशिवरात्रि का यह त्योहार 26 फरवरी बुधवार को ही मनाना उचित होगा।

विजया एकादशी व्रत 24 फरवरी सोमवार को मनाया जायेगा

जम्मू

विजया एकादशी व्रत 24 फरवरी सोमवार को मनाया जायेगाजम्मू, 22 फ़रवरी (हि.स.)। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी का व्रत रखा जाता है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष, महंत रोहित शास्त्री (ज्योतिषाचार्य) ने बताया कि एक वर्ष में कुल 24 एकादशी होती हैं, लेकिन प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार अधिकमास (मलमास) आने पर इनकी संख्या बढ़कर 26 हो जाती है। इस वर्ष विजया एकादशी तिथि का प्रारंभ 23 फरवरी 2025 को दोपहर 1 बजकर 56 मिनट पर होगा, और समापन 24 फरवरी 2025 को दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर होगा। फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की सूर्योदय व्यापिनी एकादशी तिथि 24 फरवरी, सोमवार को पड़ने के कारण इस वर्ष विजया एकादशी व्रत 24 फरवरी, सोमवार को रखा जाएगा।

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की इस एकादशी को विजया एकादशी के नाम से जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार, विजया एकादशी व्रत के पुण्य से भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी। तभी से इस व्रत का महत्व और भी बढ़ गया। यदि आप अपने कार्य में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको विजया एकादशी का व्रत, पूजन एवं कथा अवश्य करनी चाहिए।

इस व्रत को करने से अश्वमेध यज्ञ, जप, तप, तीर्थ स्नान और दान से भी अधिक पुण्य प्राप्त होता है। व्रती को अपने चित्त, इंद्रियों और व्यवहार पर संयम रखना आवश्यक होता है। यह व्रत जीवन में संतुलन बनाए रखने की शिक्षा देता है। व्रती अपने जीवन में अर्थ और काम से ऊपर उठकर धर्म के मार्ग पर चलते हुए मोक्ष को प्राप्त करता है। यह व्रत पुरुष और महिलाओं, दोनों के लिए लाभकारी है। इस दिन दान का विशेष महत्व है। जो व्यक्ति इस दिन स्वर्ण, भूमि, फल, वस्त्र, मिष्ठान, अन्न, विद्या, दक्षिणा और गौदान करता है, वह अपने समस्त पापों से मुक्त होकर परमपद को प्राप्त करता है।

इस दिन भगवान श्रीगणेश, श्रीलक्ष्मीनारायण, श्रीराम, श्रीकृष्ण एवं देवों के देव महादेव की पूजा की जाती है। श्रीलक्ष्मीनारायण जी की कथा एवं आरती अवश्य करें अथवा कथा श्रवण करें। एकादशी व्रत का केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व है। यह व्रत भगवान विष्णु की आराधना को समर्पित होता है, जो मन को संयमित करता है और शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, एकादशी के पावन दिन चावल एवं तामसिक वस्तुओं का सेवन वर्जित है। इस दिन शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहना चाहिए, क्योंकि इनका नकारात्मक प्रभाव आपके शरीर और भविष्य पर पड़ सकता है। इस दिन केवल सात्त्विक आहार ग्रहण करना चाहिए।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर के लोग पाकिस्तान में असुरक्षित महसूस करते हैं और भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं-सत शर्मा

जम्मू

जम्मू-कश्मीर संकल्प दिवस के अवसर पर केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने दावा किया कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर के लोग पाकिस्तान में असुरक्षित महसूस करते हैं और भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं और आज ऐसा माहौल है जब पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर में लोग खुलकर बाहर आएंगे और पाकिस्तान के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त करेंगे।

सत शर्मा ने कहा कि 31 साल पहले आज ही के दिन हमारी संसद ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर पर ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। 90 के दशक में कश्मीर में आतंकवाद अपने चरम पर था। 90 के दशक से ही यह झूठ फैलाया जा रहा था कि भारतीय सेना कश्मीर के लोगों पर अत्याचार कर रही है और लोगों को आजादी मिलनी चाहिए। 22 फरवरी 1994 को

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उस समय कांग्रेस की सरकार थी लेकिन भाजपा ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संकल्प दिवस पर उन्हें लगता है कि ये सभी हिस्से भारत का हिस्सा होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि हम अपने सभी इलाकों को पाकिस्तान के कब्जे से वापस लें।

सत शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 और 35ए को खत्म करके और सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखा दिया है कि हम पीछे नहीं हैं और हम चाहते हैं कि ये हिस्से भारत का हिस्सा बनें। उस समय भाजपा कांग्रेस के साथ खड़ी थी लेकिन अब जब प्रधानमंत्री कार्यालय से इस तरह के बयान दिए जाते हैं तो कांग्रेस के कुछ नेता देश की भावना को नुकसान पहुंचाने के लिए खड़े हो जाते हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि आज पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर के लोग खुलेआम कहते हैं कि वे भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आप पाकिस्तान में महंगाई और असुरक्षा देख सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री को सलाखों के पीछे डाल दिया गया है। कई युद्धों में हारने के बाद अब पाकिस्तान अपने आतंकवादियों को यहां पाकिस्तान जैसी स्थिति बनाने के लिए भेजता है लेकिन हमारे सुरक्षा बल मजबूती से अपनी चौकियों पर डटे हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर के बजट पर बोलते हुए सत शर्मा ने कहा कि केंद्र द्वारा आवंटित धन यहां के लोगों तक पहुंचना चाहिए। हमने अपने विधायकों से कहा है कि हमें बजट सत्र में रचनात्मक और सकारात्मक रूप से भाग लेना चाहिए। यहां की सरकार को संतुलित बजट तैयार करना चाहिए।

जम्मू और कश्मीर में मत्स्य पालन क्षेत्र में रोजगार, अर्थव्यवस्था सृजन की व्यापक संभावनाएं हैं-जावेद डार

कंगन में मत्स्य पालन क्षेत्र में विकास की समीक्षा की, ट्राउट फिश फार्म मैमर के कामकाज का निरीक्षण किया

गांदरबल

कृषि उत्पादन विभाग और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने जम्मू-कश्मीर में मत्स्य पालन क्षेत्र में व्यापक रोजगार संभावनाओं का दोहन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री ने यह बात ट्राउट फिश फार्म मैमर की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने और मत्स्य पालन क्षेत्र में विकास का आकलन करने के लिए अपनी यात्रा के दौरान कही

कंगन के विधायक मियां मेहर अली के साथ मंत्री ने इस क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक सृजन की विशाल संभावनाओं पर प्रकाश डाला और युवाओं से मछली पालन को अपनी स्थायी आर्थिक गतिविधि के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

निजी मछली किसानों के बीच तकनीकी जागरूकता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को लगातार क्षेत्र का दौरा करने और किसानों को आधुनिक मछली पालन प्रथाओं पर शिक्षित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत एक व्यवहार्य रोजगार अवसर के रूप में इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को मछली पालन में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया।

इससे पहले, मंत्री ने अखल, कंगन में खैबर एक्वाकल्चर का दौरा किया, जहां उन्होंने उन्नत रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम का उपयोग करके रेनबो ट्राउट को बढ़ाने के लिए निजी कंपनी द्वारा विकसित बुनियादी ढांचे की समीक्षा की।

मंत्री ने सुविधा का दौरा किया, इसकी पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और टिकाऊ ट्राउट खेती के उद्देश्य से अत्याधुनिक मशीनरी की सराहना की।

निजी उद्यमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए, मंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खैबर एक्वाकल्चर जैसी पहल न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूक जलीय कृषि तकनीकों को बढ़ावा देते हुए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

दौरे के दौरान, निदेशक मत्स्य पालन अब्दुल मजीद टाक, सहायक निदेशक मत्स्य पालन गांदरबल और मत्स्य पालन विभाग के अन्य अधिकारियों ने मंत्री को फार्म के संचालन के बारे में जानकारी दी।

इस बात पर प्रकाश डाला गया कि ट्राउट फिश फार्म मैमर ने 2024-25 के दौरान 7 टन ट्राउट मछली का उत्पादन और 1.5 लाख बीज उत्पादन दर्ज किया। चालू वर्ष के लिए अपेक्षित बीज उत्पादन 2 लाख तक पहुंचने का अनुमान है।

मंत्री को निजी क्षेत्र के योगदान के बारे में भी बताया गया, जिसमें जिले के भीतर निजी क्षेत्र में चालू 140 ट्राउट और कार्प तालाबों से गांदरबल जिले में ट्राउट मछली का उत्पादन 50 टन और कार्प उत्पादन 20 टन तक पहुंच गया है।

इसके अतिरिक्त, यह बताया गया कि इस वर्ष 200 मछली पकड़ने के परमिट जारी किए गए, जिससे मनोरंजक मछली पकड़ने को और बढ़ावा मिला।

मत्स्य निदेशक ने बताया कि फार्म से जीवित चारा बीज केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख सहित कश्मीर संभाग के अन्य जिलों में आपूर्ति की जा रही है।

सीयू जम्मू ने उद्यमिता विकास पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित

जम्मू

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (सीयूजे) के विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने कुलपति प्रो. संजीव जैन के मार्गदर्शन में उद्यमिता विकास पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पीडीपी) आयोजित किया। इस कार्यक्रम में जेकेईडीआई के प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों, संकाय सदस्यों और एमबीए छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज की डीन प्रो. जया भसीन ने किया जिन्होंने शिक्षा को उद्यमिता से जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। एमएससीएम की प्रमुख डॉ. नीलिका अरोड़ा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उद्यमी प्रतिभा को पोषित करने में जेकेईडीआई की भूमिका पर प्रकाश डाला। सत्रों का नेतृत्व जेकेईडीआई के सेंटर फॉर न्यू एंटरप्राइज क्रिएशन के प्रमुख डॉ. विनोद कुमार और जेकेईडीआई के सेंटर फॉर इनोवेशन, इनक्यूबेशन और बिजनेस मॉडलिंग के प्रभारी जाहिद अली डार ने किया जिन्होंने स्टार्टअप इकोसिस्टम, बिजनेस आइडिया जनरेशन और इनोवेशन रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। इंटरैक्टिव अभ्यास और चर्चाओं ने छात्रों को उद्यमशीलता के अवसरों का पता लगाने और व्यवहार्य व्यावसायिक विचारों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। 50 से अधिक प्रतिभागियों के साथ पीडीपी ने नवाचार, पेशेवर विकास और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा दिया।

डोडा में दुधारू मवेशी का मीट मिलने पर हुआ विरोध प्रदर्शन

जम्मू

डोडा पुलिस ने भारत रोड पर एक नाके के दौरान एक ऑटो से दुधारू मवेशी का मीट बरामद किया। पुलिस को यह सूचना वीएचपी सदस्यों द्वारा दी गई थी जबकि आटो चालक मौके से भागने में सफल रहा। जिसके बाद वीएचपी सदस्यों और हिंदू समुदाय द्वारा पुलिस स्टेशन डोडा के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया और इस दुधारू मवेषी के मीट की तस्करी में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की , गई। विरोध प्रदर्षन के बाद डीएसपी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय स्टार्टअप महोत्सव का किया उद्घाटन

जम्मू

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज जम्मू के गांधी नगर स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय स्टार्टअप महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (सीएसआईआर-आईआईआईएम), जम्मू द्वारा किया गया है।

महोत्सव में पूरे भारत से आए 50 स्टार्टअप्स ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा, न्यूट्रास्युटिकल, तकनीक, सेवा और उपभोक्ता उत्पादों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपने नवाचारों और तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जम्मू क्षेत्र के स्थानीय युवाओं, छात्रों, महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाना है, जिसमें उधमपुर, रियासी, रामबन, डोडा, किश्तवाड़, राजौरी, पुंछ, कठुआ और सांबा जैसे जिले शामिल हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, सीएसआईआर-आईआईआईएम ने उद्योग और केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) के साथ सहयोगी अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के साथ एक अनुदान पत्र समझौता (जीएलए) भी संपन्न हुआ। नए स्टार्टअप्स को कठुआ के घाटी स्थित औद्योगिक बायोटेक पार्क के बीआईआरएसी इनक्यूबेटर में भी शामिल किया गया।

इस महोत्सव में शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय प्रतिभागियों में पद्मश्री प्रो. विनोद के. सिंह, सीसीआरयूएम के महानिदेशक डॉ. एन. जहीर अहमद, सीएसआईआर-सीआईएमएपी, लखनऊ के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी, सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी और डीबीटी-बीआईआरएसी के प्रबंध निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार शामिल थे।

जम्मू न्यूज़ मिशन

जावेद डार ने स्कॉस्ट-के में 3 दिवसीय एग्रीटेक मेला गोंगुल-2025 का उद्घाटन किया

श्रीनगर

कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, शालीमार परिसर में कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक कृषि नवाचारों, टिकाऊ खेती प्रथाओं और उद्यमशीलता के अवसरों को प्रदर्शित करने वाले तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम गोंगुल 2025-10वें स्कॉस्ट-के एग्रीटेक मेले का उद्घाटन किया।

इस वर्ष का मेला विशेष है क्योंकि इसमें माध्यमिक और टिकाऊ कृषि पर जोर दिया गया है, जो समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों को दर्शाता है। मूल्य संवर्धन, जलवायु लचीलापन और कृषि-उद्यमिता पर अधिक ध्यान देने के साथ, यह कार्यक्रम नीति निर्माताओं, उद्योग के नेताओं और किसानों को जम्मू-कश्मीर में कृषि के भविष्य को आकार देने के लिए एक साथ लाता है।

मेले में 400 से अधिक स्टॉल हैं, जिनमें नवीनतम कृषि मशीनरी, सटीक कृषि, बीज और रोपण सामग्री की बिक्री, कृषि पशु और पक्षी प्रदर्शित किए गए हैं। मेले में पहली बार पालतू पशु शो का आयोजन किया गया, जिसमें पालतू कुत्तों और बिल्लियों ने अपने प्रशिक्षण कौशल का प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में, मंत्री ने एक भव्य समारोह में गोंगुल-2025 का उद्घाटन किया, जिसमें राजसी घोड़े भी शामिल थे। उन्होंने एग्रीटेक मेले के लिए 'गोंगुल' नाम चुनने के लिए स्कॉस्ट-के की सराहना की, जो अगली पीढ़ी को समृद्ध कश्मीरी संस्कृति से जोड़ता है। उन्होंने कश्मीर में गोंगुल (बुवाई की शुरुआत) से जुड़ी बचपन की गतिविधियों और घाटी में तकनीक से प्रेरित खेती के विकास के बारे में बताया। उन्होंने कश्मीरी संस्कृति को संरक्षित करने के बारे में आगाह किया, जो अपने व्यंजनों, साहित्य, वास्तुकला और समृद्ध परंपराओं के लिए विश्व स्तर पर जानी जाती है। एचएडीपी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल जम्मू-कश्मीर के लोगों की किस्मत बदलने वाली है।

मंत्री ने क्षेत्र के कृषि परिदृश्य के परिवर्तन का नेतृत्व करने वाले स्कॉस्ट-के को जम्मू-कश्मीर सरकार का पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने नकली कृषि रसायनों के व्यापार की जांच के लिए सख्त कानून प्रवर्तन भी सुनिश्चित किया।

स्कॉस्ट-के के उपकुलपति प्रोफेसर नजीर अहमद गनई ने कहा कि गोंगुल-2025 जम्मू-कश्मीर के समग्र कृषि विकास कार्यक्रम की उपलब्धियों और आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्कॉस्ट-के ने भविष्य की नवाचार आधारित खेती के माध्यम से जम्मू-कश्मीर को विकसित भारत के लिए एक मॉडल जैव अर्थव्यवस्था के रूप में देखा है। प्रोफेसर गनई ने विश्वविद्यालय की पहलों को उदार समर्थन देने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार को धन्यवाद दिया।

क्रीरी विधानसभा के सदस्य इरफान हाफिज लोन ने जम्मू-कश्मीर के किसानों को सशक्त बनाने में स्कॉस्ट-के की सराहना करते हुए तेजी से घटती कृषि भूमि को संरक्षित करने और स्थानीय उपज की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्माण और कानून प्रवर्तन की इच्छा जताई।

सोनावाड़ी विधायक हिलाल अकबर लोन ने प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए मौजूदा कानूनों के कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने किसानों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए वैज्ञानिकों की भूमिका की सराहना की। बेंगलुरु स्थित सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान के अध्यक्ष अशोक दलवई ने कहा कि विजन 2047 के तहत देश के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में जम्मू-कश्मीर की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि एचएडीपी के तहत जम्मू-कश्मीर की कृषि-परिवर्तन यात्रा के बारे में देश के बाकी हिस्सों को जागरूक करना महत्वपूर्ण है।

इस वर्ष का संस्करण कई प्रमुख उप-विषयों के इर्द-गिर्द संरचित है, जिनमें से प्रत्येक आधुनिक और टिकाऊ कृषि के विभिन्न पहलुओं में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। ब्रांड बिज फेस्ट बहुराष्ट्रीय कंपनियों, एफपीओ, एसएचजी और उद्योग जगत के नेताओं के बीच नेटवर्किंग की सुविधा प्रदान करता है, जबकि फूड फेस्ट छात्र स्टार्टअप और स्थानीय खाद्य उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए विविध व्यंजनों का जश्न मनाता है। स्टार्टअप और टेक शो में अभूतपूर्व कृषि नवाचारों पर प्रकाश डाला गया है, और उद्योग प्रदर्शनी में अत्याधुनिक मशीनरी और उन्नत कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है।

गोंगुल-2025 में जैविक और प्राकृतिक खेती शो के माध्यम से टिकाऊ खेती पर भी जोर दिया गया है, जिसमें जैव-इनपुट पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और औषधीय और सुगंधित पौधों के शो में हिमालयी हर्बल खजाने की खोज की गई है। प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शनी में मूल्य-वर्धित और विविधतापूर्ण कृषि उत्पाद प्रदर्शित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, बीज प्रदर्शनी और रोपण सामग्री प्रदर्शनी में किसानों और बागवानी के शौकीनों के लिए प्रीमियम गुणवत्ता वाले बीज और पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं।

उपमुख्यमंत्री ने जीएमसी जम्मू का दौरा किया, स्वास्थ्य सेवाओं की परेशानी मुक्त आपूर्ति का आश्वासन दिया

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चैधरी ने सरकारी मेडिकल कॉलेज, जम्मू का दौरा किया और संस्थान के कामकाज की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने वहां तैनात डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ की संख्या का आकलन करने के अलावा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। स्टाफ से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही निर्देश जारी कर दिए हैं कि लोगों को सार्वजनिक सेवाओं, खासकर स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को सार्वजनिक सेवाओं की त्वरित और परेशानी मुक्त डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मरीजों को उनके लिए बनाई गई सुविधाओं का लाभ उठाने में किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है।'' उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी स्वास्थ्य संबंधी नीतियों का लाभ उन्हें बिना किसी चूक के प्रदान किया जाए। उपमुख्यमंत्री के दौरे के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य भी उनके साथ थे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कंगन में अखल ब्रिज का उद्घाटन किया

कंगन (गांदरबल)

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल जिले के कंगन इलाके में सिंध नदी पर 82 मीटर लंबे अखल पुल का उद्घाटन किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल, कुनमुल-अखल और आसपास के क्षेत्रों के कई गांवों को जोड़ता है। इस अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि अखल ब्रिज से परिवहन में उल्लेखनीय सुधार होने, क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और जिले के हजारों निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुल एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा, विकास को बढ़ावा देगा और स्थानीय आबादी को बहुत जरूरी राहत दिलाएगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह पुल क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे कनेक्टिविटी मुद्दों के समाधान का प्रतीक है। स्थानीय जन प्रतिनिधियों और निवासियों ने उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे अब अधिक सुविधा और पहुंच मिलेगी। इस अवसर पर विधायक कंगन मियां मेहर अली, उपायुक्त गांदरबल, डीडीसी सदस्य कंगन, मुख्य अभियंता आरएंडबी और अन्य वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल में जनता दरबार लगाया

मुद्दों को हल करने के लिए जनता, प्रतिनिधिमंडलों से सीधे जुड़े

जनसमस्याओं के समय पर समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई

गांदरबल

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल के डाक बंगले में एक जनता दरबार बुलाया, जहां उन्होंने जिले भर के कई प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों से सीधे बातचीत की और क्षेत्र के विकास से संबंधित उनके रोजमर्रा के मुद्दों और अन्य चिंताओं को हल किया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जनता द्वारा उठाए गए मुद्दों और मांगों को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के लिए मौके पर ही निर्देश जारी किए। उन्होंने जिला प्रशासन से सार्वजनिक शिकायतों के निवारण को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। गांदरबल के कल्याण और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री ने निवासियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को दूर करने के लिए निरंतर समर्थन और समय पर कार्रवाई का वादा किया।

गांदरबल के उपायुक्त जतिन किशोर, जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, प्रतिनिधिमंडलों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर ध्यान देने के लिए उपस्थित थे।

बीहामा, डुडेरहामा, फतेहपोरा, शालबुग, सेहपोरा, बमलूरा, तुलमुल्ला, बरोसा, थीरू, गंगेरहामा, शेरपथरी, लार, सफापोरा, गुटलीबाग और जिले के अन्य हिस्सों जैसे विभिन्न क्षेत्रों से सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों और सैकड़ों व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी मांगें प्रस्तुत कीं।

उठाई गई प्रमुख मांगों में प्रमुख स्थानों पर अग्निशमन सेवा केंद्रों की स्थापना, खेल के मैदानों का विकास, सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि, जिला अस्पताल में एक सहायक सराय का निर्माण, सड़क चैड़ीकरण, बागवानी और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देना, सिंध नदी के किनारे सौंदर्यीकरण, झेलम की ओर से नाले के किनारे का सुदृढ़ीकरण, और डुडरहामा नाले की ड्रेजिंग और डीसिल्टिंग शामिल है।

इसके अतिरिक्त, जनता ने जिले के भीतर रोजगार के अवसर पैदा करने की मांग की। इन मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री, जो जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने उपायुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी वास्तविक चिंताओं का बिना किसी देरी के समाधान किया जाए।

उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि उजागर किए गए मुद्दों की गहन जांच की जाएगी और निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राबता कार्यालय के कामकाज की समीक्षा की

चिंतित नागरिकों का समूह सीएम से मिला और ज्ञापन सौंप

श्रीनगर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में सीएम के लोक सेवा और जनपहुंच कार्यालय, राबता की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, ताकि इसकी कार्यप्रणाली का आकलन किया जा सके और सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से हल करने में इसकी भूमिका को मजबूत किया जा सके।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जनसमस्याओं का त्वरित एवं कुशल निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर राबता नोडल अधिकारी नामित किये जाएं। उन्होंने लोगों तक पहुंचने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सरकारी पहल और शिकायत निवारण तंत्र हर नागरिक के लिए सुलभ हों।

सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख उपलब्धियों और चल रही पहलों पर प्रकाश डालते हुए कार्यालय के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री ने पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित प्रशासन के प्रति अपनी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अधिकारियों को अधिक संवेदनशील और परिणामोन्मुख दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान हो। उन्होंने जन शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में सुधार लाने और प्रत्येक शिकायत के अंतिम निस्तारण को अद्यतन करते हुए यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि शिकायतों का वास्तव में समाधान हो।

नागरिकों के साथ सीधे जुड़ाव के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जागरूकता अभियान, संवाद सत्र और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनपहुंच प्रयासों को बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार लोगों की चिंताओं को सुनने और उन्हें हल करने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस बीच, पूर्व आईएएस अधिकारी खुर्शीद अहमद गनई के नेतृत्व में ग्रुप ऑफ कंसर्नड सिटीजंस के प्रतिनिधिमंडल ने राबता कार्यालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और यूनिफाइड बिल्डिंग बायलॉज में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार किया। जीसीसी सदस्यों ने सीएम से प्रस्तावित यूबीबीएल संशोधनों और शहरी नियोजन नीतियों की समीक्षा करने का अनुरोध किया, जो अक्टूबर में निर्वाचित सरकार के कार्यभार संभालने से ठीक पहले आवास और शहरी विकास विभाग द्वारा शुरू की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने उनकी आपत्तियों को सुना और कहा कि उनकी सरकार ऐसी किसी भी नीति को मंजूरी देने से पहले आपत्तियों की जांच करेगी और अन्य शहरी विकास नीतियों की जांच करेगी और कहा कि ऐसी नीतियों को मजबूत करने या उस प्रभाव पर कोई कानून लाने से पहले सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा।

निदेशक डीआईपीआर, कर्मचारियों ने वरिष्ठ पत्रकार नसीर अहमद के निधन पर शोक व्यक्त किया

जम्मू

सूचना निदेशक नितीश राजोरा ने कोलकाता टीवी के ब्यूरो चीफ नसीर अहमद के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

निदेशक ने अपने शोक संदेश में कहा कि नसीर एक वरिश्ठ पत्रकार थे, जिनका पत्रकारिता में योगदान सदैव याद रखा जाएगा।

निदेशक ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और इस कठिन समय के दौरान शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की।

इस बीच, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के कर्मचारियों ने भी अनुभवी पत्रकार नसीर अहमद के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिन्होंने काफी समय तक ज़ी न्यूज़ के ब्यूरो चीफ के रूप में भी काम किया है। कर्मचारियों ने पत्रकारिता क्षेत्र में नसीर अहमद के योगदान और डीआईपीआर के साथ उनके जुड़ाव को याद किया।

कर्मचारियों ने परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

जम्मू में रहस्यमयी परिस्थितियों में नाबालिग लड़की मृत पाई गई

जम्मू

जम्मू जिले में रविवार को एक नाबालिग लड़की अपने घर में रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत पाई गई। बताया गया कि 14 वर्षीय 9वीं कक्षा की लड़की का शव उसके घर में रहस्यमयी परिस्थितियों में पाया गया। उन्होंने बताया कि वह जम्मू जिले के बिश्नाह तहसील के महमूदपुर गांव की रहने वाली थी।

इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

जम्मू न्यूज़ मिशन

संपादकीय

बचपन पर भारी स्मार्टफोन

मानसिक एकाग्रता व सेहत के लिये घातक

तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हम बहुत कुछ खो भी रहे हैं। इंसान कभी मशीन से संचालित नहीं हो सकता। मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई तकनीक, मशीन व उपकरण सहयोगी तो हो सकते हैं, मगर मालिक नहीं हो सकते। कमोबेश यही बात शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर कही जा सकती है। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नई शैक्षिक परिपाटी में मोबाइल की अपरिहार्यता को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है। निस्संदेह, विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। तब लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही है। जाहिरा तौर पर ये उनके भटकाव और मानसिक विचलन का कारण भी बन सकता है। अब इसके मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों पर व्यापक स्तर पर बात होने लगी है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया समेत तमाम विकसित देश स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इसकी रिपोर्ट भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाली है। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ कदमताल की दलील देकर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके निरंकुश प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में बेलगाम इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। जिसमें प्रश्न बच्चों की निजता का भी है। वहीं प्रश्न ज्यादा प्रयोग से बच्चों के दिमाग व शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का भी है। निस्संदेह, शिक्षकों व अभिभावकों की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया में स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक हो सकता है। लेकिन इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है। ऐसे में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित किया जाना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। निश्चित तौर पर फोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन उनके दिमाग को नियंत्रित करने वाला नहीं।

मुख्य संपादक
विवेक धल्लम

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक विवेक धल्लम (गली नं. 1, वॉर्ड नं. 12, नजदीक एग्रो पेट्रोल पंप व तहसील, बाड़ी ब्राह्मणा, जम्मू व कश्मीर 181133) द्वारा शिवम् आफसेट प्रिंटिंग प्रेस, फव्वारा चौक (नजदीक जेएंडके बैंक) ग्रेटर कैलाश, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) से प्रकाशित।

संपादक
विवेक धल्लम

फोन- 9419180421, ईमेलः admin@jammunewsmission.com

नोटः इस अंक में प्रकाशित सामग्री से संपादक प्रकाशित का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जाएगा। सभी विवादों का निपटारा जम्मू संभाग की सीमा के अंतर्गत आने वाली सक्षम न्यायालयों व फोरमों में ही किया जाएगा।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है।

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

सकीना इत्तू ने कुलगाम जिले के लम्मेर, चैगाम गांवों में एनटीपीएचसी का उद्घाटन किया

कुलगाम

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कुलगाम का दौरा किया और जिले के लम्मेर और चैगाम गांवों में दो नवनिर्मित नए प्रकार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक देवसर पीरज़ादा फ़िरोज़ अहमद शाह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ कश्मीर, अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त राजस्व, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

इन स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने पूरे जम्मू और कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। सकीना ने कहा, हमारी सरकार वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल की कमियों को पाटने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं हर दरवाजे तक पहुंचें, जिससे दूर-दराज के अस्पतालों पर लोगों की निर्भरता कम हो।

मंत्री ने सभी के लिए, विशेषकर दूरदराज के गांवों में, सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व को रेखांकित किया। ये स्वास्थ्य केंद्र इन गांवों के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी समय पर चिकित्सा देखभाल से वंचित न रहे। मंत्री ने आगे बताया कि वर्तमान सरकार का ध्यान सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण

स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सार्वजनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं अधिक सुलभ और बेहतर ढंग से सुसज्जित हों।

इस अवसर पर देवसर विधायक पीरजादा फिरोज अहमद ने कहा कि इन स्वास्थ्य सुविधाओं से यहां की स्थानीय आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

सकीना इत्तू ने एमएमएबीएम एसोसिएटेड अस्पताल, जीएमसी अनंतनाग में कैथ लैब, नए ब्लॉक का उद्घाटन किया

अनंतनाग

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला और मिर्जा मोहम्मद अफजल बेघ मेमोरियल एसोसिएटेड अस्पताल, जीएमसी अनंतनाग के नवनिर्मित ब्लॉक-ए का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अब्दुल मजीद भट्ट सहित जिला अनंतनाग के विधायक पीरज़ादा मोहम्मद सईद, रेयाज़ अहमद खान, अल्ताफ अहमद वानी और जफर अली खटाना के अलावा प्रिंसिपल जीएमसी अनंतनाग, प्रोफेसर डॉ. रुखसाना नजीब, निदेशक समन्वय न्यु मेडिकल कॉलेज, निदेशक परिवार कल्याण एमसीएच और टीकाकरण, सीएमओ अनंतनाग, चिकित्सा अधीक्षक एमएमएबीएम एसोसिएटेड अस्पताल, जीएमसी अनंतनाग के विभिन्न विभागों के प्रमुख, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जीएमसी अनंतनाग के कैथ-लैब और

ब्लॉक ए को जनता को समर्पित करते हुए, मंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विकास पूरे दक्षिण कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं में एक नए युग का प्रतीक है, क्योंकि जीएमसी अनंतनाग अपने समर्पित कैथ-लैब प्राप्त करने वाले नव स्थापित मेडिकल कॉलेजों में पहला बन गया है। उन्होंने कहा, कैथ-लैब के उद्घाटन से, दक्षिण कश्मीर के लोगों को उनके दरवाजे के नजदीक, खासकर हृदय देखभाल के मामले में सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सेवाएं मिलेंगी।''

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जनता को उनके दरवाजे के पास विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में कुछ कमियों को दूर करने के अलावा जम्मू-कश्मीर में विश्व स्तरीय चिकित्सा बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को लोगों का विश्वास कायम रखना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि जनशक्ति की कमी है, उन्होंने आश्वासन दिया कि इन कमियों को जल्द ही दूर किया जाएगा।

मंत्री ने दक्षिण कश्मीर के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए जीएमसी अनंतनाग और उससे जुड़े अस्पताल के प्रशासन और कर्मचारियों की भी सराहना की।

इस अवसर पर जीएमसी अनंतनाग की प्रिंसिपल और डीन डॉ. रुखसाना नजीब ने जीएमसी अनंतनाग में किए गए कार्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनशक्ति और बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए जीएमसी अनंतनाग को उल्लेखनीय सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दक्षिण कश्मीर के लोगों को उनके दरवाजे के नजदीक सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने के लिए भी बधाई दी। बाद में, मंत्री ने जीएमसी अनंतनाग के हृदय रोग विशेषज्ञों डॉ. सैयद मकबूल, डॉ. शमीम इकबाल और डॉ. शौकत हुसैन शाह को हृदय देखभाल में उनके उत्कृष्ट कार्य और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया।

जम्मू न्यूज़ मिशन

जावेद डार ने बडगाम के विकासात्मक परिदृश्य की समीक्षा की

सार्वजनिक सेवाओं में जीवंतता, पारिस्थितिकी के अनुरूप विकास, कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया गया

बडगाम

कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने जिले के विकासात्मक परिदृश्य का आकलन करने के लिए बडगाम में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

शुरुआत में, मंत्री ने प्रमुख चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया, जिसमें 125 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल की स्थापना, रेशीपोरा में 100 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल, सड़क के बुनियादी ढांचे, चडूरा में नए बस टर्मिनल, यूसमार्ग और दूधपथरी सहित पर्यटन स्थलों पर मजबूत मोबाइल कनेक्टिविटी और कृषि और संबद्ध क्षेत्र की योजनाओं का सफल कार्यान्वयन शामिल है।

बैठक में डीडीसी के अध्यक्ष नजीर अहमद खान, बीरवाह के विधायक डॉ. शफी वानी, चडूरा के विधायक अली मोहम्मद डार और खानसाहिब के विधायक सैफ-उद-दीन भट्ट भी शामिल हुए।

शुरुआत में, बडगाम के उपायुक्त अक्षय लाब्रू ने मंत्री को जिले में विभिन्न प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं और चल रहे कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जन कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाओं और प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के बारे में भी विचार-विमर्श किया।

सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने लाभार्थी कवरेज को अधिकतम करने के लिए समग्र कृषि विकास कार्यक्रम सहित सभी केंद्रीय और केंद्र शासित प्रदेश-स्तरीय पहलों के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने सभी सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और सभी जन कल्याणकारी पहलों को सीधे लोगों तक ले जाने का आह्वान किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ हर नागरिक तक पहुंचे।

मंत्री ने आम जनता को त्वरित सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सक्रियता लाने का निर्देश दिया।

जिले में ईंट भट्ठों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि इनके संचालन को सुव्यवस्थित किया जाए और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सख्ती से संचालन किया जाए, साथ ही सख्त निर्देश दिया कि जिले में कोई भी अवैध ईंट भट्ठा संचालन की अनुमति नहीं दी जाए।

दुग्ध सहकारी समितियों की स्थिति को हल करते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए कृषि जागरूकता शिविर और मेले आयोजित करने का निर्देश दिया।

जमीनी स्तर पर शासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने निर्देश दिया कि विधायकों को अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए योजना और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए। उन्होंने सरकारी अधिकारियों को लगातार क्षेत्र का दौरा करने, जनता के साथ बातचीत करने और जमीनी स्तर की चिंताओं को सक्रिय रूप से हल करने का निर्देश दिया।

मंत्री ने कहा, हमारा देश एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है, और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर कोई अपवाद नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत, सरकार अपने लोगों की भलाई के लिए अथक प्रयास कर रही है।

उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर जोर देते हुए बडगाम जिले में समग्र विकास का आह्वान किया और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

हालाँकि, मंत्री ने जोर देकर कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पारिस्थितिक संतुलन के अनुरूप किया जाना चाहिए और जिले में कहीं भी विकास के बहाने कोई पर्यावरणीय गिरावट नहीं होती है।

बैठक के दौरान विधायकों ने निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट मांगों और मुद्दों को उठाया और सार्वजनिक चिंताओं के समयबद्ध समाधान का आग्रह किया।

जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों और मुद्दों में मगाम में ट्रॉमा अस्पताल की स्थापना, दादिना-लखीपोरा सड़क का निर्माण, सब्जी मंडियों का निर्माण, नए पशुपालन केंद्र, स्कूल उन्नयन, एड फूड योजना के तहत ग्राम-स्तरीय बिक्री केंद्र, जल जीवन मिशन के तहत तोसामैदान को शामिल करना, दूधपथरी और तोसामैदान के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, मुजपथरी से दूधपथरी तक एक वैकल्पिक सड़क का निर्माण आदि शामिल हैं। मांगों को सुनने के बाद, मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक चिंताओं को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा। बैठक में ग्रामीण विकास निदेशक, पीडब्ल्यूडी कश्मीर के मुख्य अभियंता, विभिन्न विभागों के प्रमुख और सभी जिला अधिकारी भी उपस्थित थे।

विधानसभा के अध्यक्ष ने नए विधान सभा परिसर की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने जम्मू में नए विधानमंडल परिसर के निर्माण की प्रगति की समीक्षा हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई।

बैठक में सचिव पीडब्ल्युडी भूपिंदर कुमार, सचिव कानून, न्याय और संसदीय कार्य अचल सेठी, महानिदेशक बजट मोहम्मद सुल्तान, डीजी कोड्स महेश दास, सचिव जेकेएलए मनोज कुमार पंडित, मुख्य अभियंता आर एंड बी जम्मू, एसई आरएंडबी, साउथ सर्कल जम्मू और संबंधित विभाग और विधानसभा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। हाल के कैबिनेट निर्णयों के मद्देनजर नए विधानसभा परिसर के निर्माण से संबंधित मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। परियोजना के प्रभारी कार्यकारी अभियंता द्वारा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी गई। लोक निर्माण विभाग सचिव ने अध्यक्ष को मंत्रिपरिषद द्वारा दिए गए निर्देशों पर की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी। बताया गया कि शेष कार्य की डीपीआर जांच के लिए आईआईटी जम्मू को सौंप दी गई है। डीपीआर की जांच मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

उन्होंने अध्यक्ष को यह भी आश्वासन दिया कि निविदा प्रक्रिया के सभी तौर-तरीके 31 मार्च 2025 तक पूरे कर लिए जाएंगे।

अध्यक्ष ने कार्यकारी एजेंसी को अनुबंध मिलने के बाद 18 महीने के भीतर परियोजना को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए विधानसभा परिसर का निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने पर जोर दिया।

उपायुक्त ने उधमपुर में कृषि ऋण योजनाओं की संतृप्ति की समीक्षा की

उधमपुर

एचएडीपी के तहत मामलों की लाभार्थी पंजीकरण, मंजूरी और वितरण सहित कृषि ऋण योजनाओं के समग्र कार्यान्वयन की समीक्षा उपायुक्त सलोनी राय ने बैंकों के प्रतिनिधियों के अलावा कृषि और संबद्ध विभागों के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक में की।

उपायुक्त ने संस्थागत ऋण तक किसानों की पहुंच में सुधार और कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और बैंकरों से हितधारकों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके सरकार की पहल का सक्रिय रूप से समर्थन करने का आग्रह किया।

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों और बैंकों को इन योजनाओं के तहत जिले के प्रत्येक किसान और किसान परिवार को कवर करते हुए अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को लक्षित कार्यान्वयन की सुविधा के लिए लाभार्थियों की क्षेत्रवार सूची तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने विभागों को जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने, इच्छुक लाभार्थियों की पहचान करने, उन्हें लाभ लेने के लिए प्रेरित करने और एक दिन के भीतर सूची जमा करने का निर्देश दिया।

बैंकरों को स्मार्ट कार्ड जारी करने में तेजी लाने और क्रेडिट प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए नवीनतम डेटा अपडेट करने की सलाह दी गई। उपायुक्त ने किसानों को लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए ब्लॉक-स्तरीय क्रेडिट आउटरीच शिविरों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उपायुक्त ने कृषक समुदाय को सीधे लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए बैंकों और सरकारी विभागों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कृषि मंत्री ने एचएडीपी, कैपेक्स, सीएसएस कार्यान्वयन के तहत भौतिक, वित्तीय उपलब्धियों की समीक्षा की योजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान अधिकारियों को उच्चतम स्तर की पारदर्शिता, जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

श्रीनगर

कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने कृषि निदेशालय लालमंडी के बैठक हॉल में कृषि निदेशक, संयुक्त निदेशक, प्रांतीय प्रमुखों, मुख्य कृषि अधिकारियों, योजना प्रमुखों, कृषि विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों की एक बैठक बुलाई और समग्र कृषि विकास कार्यक्रम, कैपेक्स और सीएसएस के तहत भौतिक/वित्तीय उपलब्धियों का जायजा लिया।

बैठक के दौरान एचएडीपी के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के अलावा कृषि विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जावेद डार ने एचएडीपी और कैपेक्स और सीएसएस की विभिन्न परियोजनाओं के तहत धन के शीघ्र और विवेकपूर्ण व्यय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि एचएडीपी परियोजनाओं, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के विभिन्न घटकों के तहत आवंटित धनराशि को समयबद्ध तरीके से खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी खर्चों के दौरान उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के महत्व को दोहराया।

मंत्री ने केसीसी और पॉइंट ऑफ सेल मशीनों की निगरानी के लिए नवीन पहलों के महत्व को रेखांकित किया। मंत्री ने सब्जी फसलों का नए क्षेत्रों में विस्तार करने को भी कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खरीफ फसल सीजन के लिए प्रस्तुतियों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने विभाग के गुणवत्ता नियंत्रण मैनुअल का भी अनावरण किया।

जावेद डार ने अधिकारियों को हर क्षेत्र के किसानों तक पहुंचने और उन्हें एचएडीपी के बारे में जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर विभिन्न परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए किसान समुदायों के साथ मिलकर काम करने को कहा।

इससे पहले कृषि निदेशक कश्मीर मोहम्मद इलियास खतीब ने कश्मीर संभाग में विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में एक विस्तृत पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी।

उपायुक्त पुंछ ने पीएम गति शक्ति कार्यान्वयन, मास्टर प्लान के निर्माण की समीक्षा की

पुंछ

पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने जिला स्तर पर पीएम गति शक्ति के कार्यान्वयन और जिले के लिए मास्टर प्लान तैयार करने पर चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिले में सभी भविष्य की योजना गतिविधियों के लिए पीएम गति शक्ति पोर्टल का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे अधिक कुशल, पारदर्शी और समन्वित विकास होने की उम्मीद है।

उपायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि जिले में भविष्य की सभी योजनाएं पीएम गति शक्ति पोर्टल का उपयोग करके की जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह दृष्टिकोण न केवल परियोजनाओं की योजना और निष्पादन को सुव्यवस्थित करेगा, बल्कि जिले के समग्र विकास पर भी दूरगामी प्रभाव डालेगा, जिससे पारदर्शिता, प्रभावशीलता और हितधारक विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा।

पोर्टल के उपयोग से विकास परियोजनाओं को निर्बाध और जवाबदेह तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी, जिससे अंततः पुंछ के नागरिकों को लाभ होगा।

भारत वीसी के माध्यम से जुड़े विशेषज्ञों ने पीएम गति शक्ति पोर्टल की विशेषताओं और कार्यात्मकताओं का व्यापक प्रदर्शन प्रदान किया। डेमो में दिखाया गया कि कैसे पोर्टल वास्तविक समय की निगरानी, प्रभावी परियोजना निष्पादन में सहायता करता है और परियोजनाओं की त्वरित योजना और कार्यान्वयन की सुविधा के लिए अंतर-विभागीय समन्वय को बढ़ाता है।

बैठक में जीएम डीआईसी पुंछ, एसीआर पुंछ, एसीपी, सीएमओ पुंछ, डीएफओ पुंछ, डीआईओ एनआईसी पुंछ, एआरटीओ पुंछ, सीईओ एमसी, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी के अतिरिक्त अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी भी षामिल हुए।

पीएम विश्वकर्मा योजना

उपायुक्त ने जिला पुंछ में कार्यान्वयन की समीक्षा की

पुंछ

उपायुक्त विकास कुंडल ने जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की। यह पहल आवश्यक प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और बाजार संपर्क प्रदान करके कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई है।

प्रारंभ में, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र ने उपलब्धियों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने लंबित आवेदनों को समयबद्ध तरीके से निपटाने पर जोर देते हुए ग्राम पंचायत और जिला स्तर पर लाभान्वित व्यक्तियों के बारे में पूछताछ की। लीड बैंक मैनेजर को सभी शाखाओं में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा गया।

इसके अतिरिक्त, बैठक में ब्लॉक-वार लंबित आवेदनों का आकलन किया गया, जिसमें सभी ब्लॉक विकास अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से अपडेट प्रदान करने के लिए विडियो कांफ्रेंस द्वारा भाग लिया। अधिक से अधिक संख्या में कारीगरों को शामिल करने के लिए जन जागरूकता पर जोर दिया गया।

बैठक में पीओ आईसीडीएस, एसीआर, एसीपी, एलडीएम, पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल, बीडीओ, आईटीआई पुंछ और मेंढर के अधीक्षक सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

उपायुक्त डोडा ने सार्वजनिक शिकायतों के समाधान के लिए जन पहुंच शिविर आयोजित किया

डोडा

उपायुक्त हरविंदर सिंह ने कनेक्टिविटी में सुधार, स्थानीय मुद्दों को हल करने और जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्वजनिक शिकायतों को सुनने और संबोधित करने हेतु मरमट तहसील में पंचायत हम्बल-बी का दौरा किया। उपायुक्त के साथ एनएचआईडीसीएल के अधिकारी, एएसपी, तहसीलदार और अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी थे। सड़क संपर्क, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य नागरिक मुद्दों से संबंधित सार्वजनिक शिकायतों को विस्तार से सुना गया। निष्पादन एजेंसियों और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ परामर्श के बाद, उपायुक्त ने स्थानीय निवासियों द्वारा उठाए गए कई मुद्दों का समाधान किया। उपायुक्त ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर जोर देते हुए शेष शिकायतों के समाधान के लिए समयसीमा निर्धारित की।

सकीना इत्तू ने कुलगाम में एक्सिस बैंक की नई शाखा का उद्घाटन किया

कुलगाम। शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्री सकीना इत्तू ने कुलगाम का दौरा किया जहां उन्होंने एक्सिस बैंक की एक नई शाखा का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के निवासियों को वित्तीय पहुंच बढ़ाना और व्यापक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है। उद्घाटन समारोह के दौरान, मंत्री ने आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में सुलभ बैंकिंग सुविधाओं के महत्व पर जोर दिया। उद्घाटन में स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, बैंक अधिकारी और समुदाय के सदस्य उपस्थित थे।

HELP LINE

Important Telephone Nos.	
Civil Secretariat	2547365-69
Jammu University	2435259,2435248
RRL, Jammu	2544382, 2549051
Army	2432453, 2432653
Municipality Jn. Lines	2578503, 18001803333
Passport Office	2433359
Postal Services	
H.P.O. City	2543606
Gandhi Nagar	2435863
Fire Services	
City	2544263
Gandhi Nagar	2457705
Canal	2554064
Gangyal	2480026
Cooking Gas dealers	
Chenab Gas	2547633
Gulmour Gas	2430835
H.P. Gas	2578456
Jakfed	2548297
Shivangi Gas	2577020
Tawi Gas	2548455
Power House	
Gandhi Nagar	2430180
Canal Road	2554147
Janipur	2533359
Nanak Nagar	2430776
Parade	2542289
Satwari (Jammu Cantt.)	2452813
City Hospitals	
G.M.C Jammu	2584290, 91. 94, 2584211, 25
GMC Causality	2575364
S.M.G.S. Jmu	2547635, 258477
Govt. Hosp. G. Nagar	2430041,2431740
Dental Hospital Jmu	2544670
Psychiatric Disease Hos.	2577444
Ascoms Sidhra	262251, 262267, 262536, 39
B.N. Charitable	2555631, 2505310
Vivekanand Hospital	2547418
G.B. Pant Hosp. Satwari	2433500
Military Hospital Sat.	2435572
Police Station, Jammu City	
Bagh-e-Bahu	2459777
Bakshi Nagar	2580102
Bus Stand	2566499
City	2543688
Gandhi Nagar	2430528
Gangyal	2481204
Nowabad	2565274
Pacca Danga	2448610
Railway Station	2472870
Saink Colony	2468666
Satwari	2430364
Channi Himmat	2465164
Transport Nagar	2475444
Trikuta Nagar	475133, 2470679
G. Nagar	2459660
S.S.P. City	2547807
S.P. South	2433778
SSP TRAFFIC JAMMU	0191-2578774
Police Control Room	100
Airlines	
Air Port	2450520,21,2430449
Indian Airlines	2574312
Spice Jet	2431887
Go Air	2435668
Kingfisher	2432651
Jet Airways	2453999
Railways	
Railway Enquiry	131,132,2476407
Booking	2470318
Reservation	2470315
Telecom Department	
Directory Enquiry	197
Fault Repair	180
Billing Complaint	2543896
Trikuta Nagar Exchange	2470000
Raj Bhawan Jammu	
H.E THE GOVERNOR, J&K	2560225
PVT. SECY. TO H.E.G	2544939/2560225/2452201
CHIEF MINISTER'S SECRETARIAT JAMMU	
CM	2546766/2560203
PRINCIPAL SECY. TO C.M	2544017/2542159
ADVISOR TO C.M	2560239
PVT. SECY. TO C.M	2546466/2540421

CREMATION-SMITI SERVICES JAMMU	
SEWA-SAMITI (HEAD OFFICE)	2573905
COURIER SERVICE	
BLUE DART	2432806
DHL	94191-90329
AHL	94191-90329
LINKER COURIER	94191-88398
JUST CALL INFO	2476060
NATIONAL HELP DESK CALL	094192-22222
FAROOQ JI (SECRETARY TO ADGP)	9149598407
CHIEF ENGINEER PWD JAMMU	0191-2471788
CHIEF ENGINEER PHE JAMMU	0191-2547586, 2544356
CHIEF ENGINEER PDD JAMMU	0191-2545061
DC OFFICE JAMMU	0191-2544366
RAILWAY ENQUIRY	1800111321
AIRPORT ENQUIRY JAMMU	0191-2437843
ISBT ENQUIRY JAMMU	0191-2435262
RTO JAMMU	0191-2472490
SHARAT CHANDER KHAJURIA AN INTERNATIONAL ACADEMIC SCHOLAR	9419127999
PROF. (DR.) KESHAV SHARMA VICE-CHANCELLOR THE ICFAI UNIVERSITY HIMACHAL PRADESH	9469211211
SANJAY GANDOTRA DEFENCE BUSINESS CONSULTANT	6006619429
ANIL KAPAHI BUSINESS TYCOON AND SECRETARY AMAR SINGH CLUB	9419199999
KULDEEP KAUL INTERNATIONAL BUSINESS TYCOON	9811156926
BHUPINDER SINGH (IAS) COMMISSIONER HEALTH SERVICES	94190112477
BRIJ MOHAN SHARMA CHIEF CONSERVATOR FOREST UDHAMPUR	9419144300
S. OPINDERJEET SINGH (KAS) FINANCE DIRECTOR PDD	9419019026
DR. ASHOK VAID (ONCOLOGIST) DIRECTOR MADANTA HOSPITAL	9810212235
DR. KULBUSHAN GUPTA HOD RADIOLOGY	9419190360
GROUP CAPT. KULOWANT SINGH	7889794904
COL PRITHVIRAJ	9419281250
DR. RAJESH SINGH (VET DOCTOR, CAMEL EXPERT, WORKING WITH SHEIKHS) DUBAI	+971567237345
COL. BRIJ BHUSHAN SINGH	8130702061

सकीना इत्तू ने डी.एच. पोरा निर्वाचन क्षेत्र के विकासात्मक परिदृश्य की समीक्षा की

परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने, कल्याणकारी योजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन पर जोर दिया गया

कुलगाम

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कुलगाम जिले के डी.एच. पोरा निर्वाचन क्षेत्र के विकासात्मक परिदृश्य का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, मंत्री ने जल जीवन मिशन, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, संशोधित वितरण क्षेत्र योजना, समग्र कृषि विकास कार्यक्रम, जिला कैपेक्स जैसी विभिन्न प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन पर प्रगति के संबंध में विस्तृत मूल्यांकन किया।

बैठक के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए सकीना ने निर्वाचन क्षेत्र में सभी विकासात्मक परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को जिले भर में विशेषकर आगामी खेती के मौसम के दौरान सिंचाई योजनाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से विशेष रूप से सर्दियों के दौरान स्थानीय जरूरतों को पूरा करने के लिए डी.एच. पोरा निर्वाचन क्षेत्र के सभी ब्लॉकों में लकड़ी डिपो स्थापित करने का भी आह्वान किया।

शिक्षा क्षेत्र के संबंध में, सकीना ने संबंधित अधिकारियों को किराए के स्थानों पर संचालित होने वाले स्कूल भवनों के निर्माण के लिए भूमि की पहचान करने का निर्देश दिया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में सुविधाएं बढ़ाने और छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मंत्री ने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार आम जनता के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे और कल्याण पहल कार्यक्रमों को प्राथमिकता देकर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के दौरान, मुख्य योजना अधिकारी ने विभिन्न चल रही परियोजनाओं के भौतिक और वित्तीय मील के पत्थर का विवरण देते हुए एक व्यापक प्रस्तुति दी।

बैठक में कुलगाम के उपायुक्त अतहर आमिर खान, अतिरिक्त उपायुक्त, डीपीओ, सहायक आयुक्त विकास, सहायक आयुक्त राजस्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कार्यकारी अभियंता, मुख्य शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

बाद में, मंत्री ने उनके मुद्दों और शीघ्र निवारण की मांगों को सुनने के लिए कई सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों से भी मुलाकात की।

उपायुक्त ने पुंछ में एनसीडी स्क्रीनिंग अभियान का उद्घाटन किया

पुंछ।

उपायुक्त विकास कुंडल ने राष्ट्रीय स्तर के गैर-संचारी रोग स्क्रीनिंग और तपेदिक अभियान का उद्घाटन किया। अभियान का उद्देश्य उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मौखिक और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों का पता लगाना है। बस स्टैंड पर मेडिकल कैंप लगाया गया है और स्क्रीनिंग 31 मार्च 2025 तक जारी रहेगी। उद्घाटन के अवसर पर, उपायुक्त ने समुदाय को मुफ्त जांच और उपचार का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया और स्वास्थ्य अधिकारियों से व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए आउटरीच प्रयासों को अधिकतम करने का आग्रह किया। शिविर के दौरान, जिले के भीतर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चिंताओं को संबोधित करते हुए, उपस्थित लोगों को मुफ्त दवाएँ प्रदान की गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. परवेज़ अहमद खान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, पुंछ में इसी तरह के शिविर आयोजित किए गए हैं। शिविर में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की एक समर्पित टीम मौजूद है, जो जनता को इन बीमारियों के प्रभावी ढंग से प्रबंधन और रोकथाम के बारे में सहायता और शिक्षित करने के लिए तैयार है।

जावेद डार ने बागवानी विभाग के कामकाज की समीक्षा की

बेहतर आर्थिक संभावनाओं के लिए उच्च तकनीकी खेती का आह्वान

श्रीनगर

कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने बागवानी विभाग कश्मीर की विस्तृत समीक्षा की।

इस संबंध में मंत्री ने यहां बागवानी निदेशालय राजबाग में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान मंत्री ने विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के तहत प्रगति का आकलन किया और विभिन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की।

मंत्री ने अधिकारियों से जन कल्याण पहलों को प्राथमिकता देने और निर्धारित लक्ष्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिशन मोड में काम करने पर जोर दिया।

मंत्री ने स्वीकार किया कि बागवानी क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या का समाधान करने की काफी संभावनाएं हैं और यह बेहतर आर्थिक संभावनाओं के साथ ग्रामीण जीवन को ऊपर उठाने में मदद कर सकता है।

मंत्री ने कहा, बागवानी क्षेत्र में ग्रामीण लोगों को व्यापक रोजगार प्रदान करने के लिए परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने की असीमित गुंजाइश है।

उन्होंने आधुनिक बागवानी विधियों और उच्च घनत्व खेती के उपयोग का आग्रह किया और किसानों को नवीनतम और आधुनिक खेती विधियों के बारे में जागरूकता और तकनीकी मार्गदर्शन दोनों प्रदान करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा, बागवानी उद्योग को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र को उत्पादक और जीवंत और लाभदायक बनाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप और आधुनिक वैज्ञानिक अनुप्रयोगों को बढ़ाया जाना चाहिए।

उन्होंने संबंधितों को समग्र कृषि विकास कार्यक्रम सहित विभिन्न केंद्र प्रायोजित और यूटी-स्तरीय योजनाओं के तहत लाभ सुनिश्चित करने, क्षेत्र में बेहतर उत्पादन और प्रगतिशील खेती के लिए कृषक समुदाय तक पहुंचने का निर्देश दिया।

प्रारंभ में, मंत्री को कर्मचारियों को मजबूत करने और बुनियादी सुविधाओं से संबंधित मुद्दों से भी अवगत कराया गया।

बाद में, मंत्री ने कश्मीर संभाग के कृषक समुदाय के लिए सेब के बागानों के प्रबंधन के लिए एचएडीपी और स्प्रे अनुसूची 2025 के तहत उच्च घनत्व वृक्षारोपण और बगीचों के कायाकल्प को बढ़ावा देने के लिए डिजाइनर पौधों के उत्पादन पर एक पुस्तिका भी जारी की।

इससे पहले, निदेशक बागवानी कश्मीर, जहूर अहमद भट्ट ने विभाग का अवलोकन और प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

बैठक में उप निदेशक, सहायक निदेशक, मुख्य बागवानी अधिकारी, तकनीकी अधिकारी और विभाग के अन्य संबंधित लोग भी उपस्थित थे।

जम्मू न्यूज़ मिशन

टीडीए को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कदम उठाएं-मुख्य सचिव

जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों के लिए सड़क किनारे सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में विभिन्न पर्यटन विकास प्राधिकरणों के कामकाज की समीक्षा और उसे मजबूत बनाने के लिए सभी संबंधितों की एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने इन निकायों की परिचालन दक्षता और संसाधन आधार को बढ़ाकर उन्हें और अधिक सार्थक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस बैठक में प्रमुख सचिव वित्त, आयुक्त सचिव वन, आयुक्त सचिव पर्यटन, आयुक्त सचिव जीएडी, संभागीय आयुक्त, कश्मीर/जम्मू, सचिव पीडब्ल्यूडी, सचिव कानून, बीआरओ, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल के प्रतिनिधि, मुख्य अभियंता और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल थे।

मुख्य सचिव ने टीडीए को आत्मनिर्भर बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वित्त और पर्यटन विभागों को संसाधनों का हस्तांतरण सुनिश्चित करने और टीडीए को अपनी परिसंपत्तियों से राजस्व उत्पन्न करने की क्षमता के साथ सशक्त बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने टीडीए के स्वामित्व वाली भूमि के सीमांकन के निर्देश दिए, जिससे उन्हें इन महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों पर बेहतर नियंत्रण और प्रबंधन मिल सके। अधिकारियों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए, उन्होंने अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में अपने अधिकार को प्रभावी ढंग से स्थापित करने के लिए जनशक्ति और मजबूत प्रवर्तन क्षमताओं में वृद्धि का आह्वान किया। उन्होंने वित्त विभाग को इस

संबंध में सक्रिय कदम उठाने और उनके सतत विकास के लिए हर साल कम से कम एक-दो टीडीए को सहायता प्रदान करने की सलाह दी। संरचित विकास की आवश्यकता को पहचानते हुए, मुख्य सचिव ने व्यवस्थित और सुनियोजित पर्यटन विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक टीडीए के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और क्षेत्र में आर्थिक विकास के लिए अधिक अवसर पैदा करने के लिए ऐसी रणनीतिक योजना की आवश्यकता को रेखांकित किया। सड़क किनारे सुविधाओं के बारे में चिंताओं को हल करते हुए, मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग को पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए राजमार्ग प्राधिकरणों और लोक निर्माण विभाग के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे राजमार्गों और पर्यटन स्थलों की ओर जाने वाली अन्य सड़कों के किनारे सुविधाओं में अंतर की पहचान करने और उसे पाटने का आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने सड़क किनारे इन सुविधाओं के उचित संचालन और रखरखाव के महत्व पर जोर दिया, ताकि पर्यटकों को निर्बाध और आनंददायक अनुभव मिल सके। उन्होंने दोहराया कि अच्छी तरह से बनाए रखी गई सुविधाएं पर्यटन को बढ़ावा देने और जम्मू और कश्मीर के पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में समग्र आकर्षण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आयुक्त सचिव, पर्यटन, यशा मुदगल ने बैठक में बताया कि विभिन्न पर्यटन स्थलों पर शौचालय सुविधाओं के संचालन और रखरखाव के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की संभावना का पता लगाने के लिए सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन के साथ परामर्श चल रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि विभाग द्वारा प्रबंधित सभी शौचालय इकाइयों की विस्तृत स्थानवार जानकारी साझा की गई ताकि इन इकाइयों को यहां संचालित करने और बनाए रखने के लिए संगठन की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक पूर्व-व्यवहार्यता सर्वेक्षण किया जा सके।

सचिव, पीडब्ल्यूडी, भूपिंदर कुमार ने जोर देकर कहा कि पीडब्ल्यू विभाग के मुख्य इंजीनियरों को रणनीतिक स्थानों पर शौचालय परिसरों और पार्किंग स्थलों के निर्माण के लिए अवधारणा योजनाएं विकसित करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि आरएंडबी और पर्यटन विभाग प्रमुख राजमार्गों के साथ उन क्षेत्रों का आकलन करने के लिए अंतर विश्लेषण करेंगे, जहां पर्याप्त सुविधाओं की कमी है।

इसके अलावा यह भी बताया गया कि बीआरओ अधिकारियों को एक महीने के भीतर सड़क किनारे सुविधाओं के लिए एक विस्तृत स्थान योजना प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। एनएचएआई को जून 2026 तक सभी गैर-कार्यात्मक सुविधाओं को चालू करने के लिए एनएचआईडीसीएल के साथ मिलकर नई खुली सोनमर्ग सुरंग और निर्माणाधीन जोजिला सुरंग के बीच एक सड़क किनारे सुविधा परिसर स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

यह भी बताया गया कि काजीगुंड, मरहामा और जजर कोटली में सार्वजनिक शौचालय की सुविधा और अन्य सुविधाएं अप्रैल 2025 तक चालू हो जाएंगी। यह भी बताया गया कि शौचालय सुविधाओं के स्थानों को स्पष्ट रूप से चिह्नित करने और उनकी दूरी को इंगित करने के लिए राजमार्गों के किनारे नए साइनबोर्ड लगाए जाएंगे।

बैठक में बताया गया कि गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम, पटनीटॉप, सनासर, भद्रवाह और दूधपथरी जैसे पर्यटन स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जहां साल के अधिकांश समय पर्यटकों की आवाजाही अधिक होती है।

वैष्णो देवी से दिल्ली जा रही बस खाई में गिरी, हादसे में एक यात्री की मौत, 16 घायल

जम्मू

माता वैष्णो देवी मंदिर से लौट रही एक बस शनिवार शाम सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने दी है। अधिकारियों ने बताया कि बस दिल्ली जा रही थी और यह दुर्घटना जम्मू बस स्टैंड से करीब आठ किलोमीटर दूर मांडा के पास हुई। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पक्का डंगा पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

अधिकारी ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि एक मोड़ पर चालक ने बस पर से कंट्रोल खो दिया और बस खाई में गिर गई। इसके तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने आगे बताया कि 17 लोगों को बचाकर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में फायर एंड इमरजेंसी सविसेज, जेकेयूटी डिजास्टर रिस्पांड फोर्स, सिविल डिफेंस के जवान शामिल हुए। जिस जगह पर हादसा हुआ है। वहां पर ज्यादा अंधेरा होने की वजह से यह

नहीं पता चल पा रहा था कि बस में कोई यात्री फंसा हुआ तो नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शी ने क्या बताया?

इस बस हादसे पर एक स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, 'मैं पीछे और पुलिसवालों ने पहले ही हमारी गाड़ी रोक दी थी। हम उधर से किसी तरह लिफ्ट लेकर यहां पर पहुंचे। आकर देखा कि यहां पर गाड़ी गिरी हुई है। पुलिस वाले यहां पर पहुंच गए थे और रेस्क्यू ऑपरेशन कर रहे थे। उन्होंने लोगों को बाहर निकालकर जीएमसी पहुंचाया। पुलिसवालों का काम काबिल-ए-तारीफ है। सीआरपीएफ वाले भी यहां पर आ गए और लोगों को जीएमसी भेजा। जब मैं यहां पर पहुंचा तो ज्यादातर लोगों को निकालकर जीएमसी भेजा जा चुका था।'

घायल लोगों की लिस्ट

इस हादसे में घायल होने वाले लोगों में 7 महिलाएं और 10 पुरुष शामिल हैं। इनकी पहचान अंजलि, नितेश, सुधीर माहेश्वरी, सुभाष, वृंदा, शुर्ति, ध्रुव, प्राची शर्मा , विनोद कुमार, कार्तिकेय त्रिपाठी, कल्याणी शर्मा, हिमांशु, श्रेया, संध्या, अक्षय, आतिश और आकांशा के तौर पर हुई है।

जम्मू-कश्मीर हादसे पर सीएम ने जताया दुख

जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को जम्मू में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया। जम्मू-कश्मीर के सीएम ऑफिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कटरा से दिल्ली जा रहे तीर्थयात्रियों को लेकर मांडा में हुई बस दुर्घटना से बहुत दुख हुआ। इस दुखद घटना में अपनी जान गंवाने वाले ड्राइवर के परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।' पोस्ट में आगे कहा गया, 'शुक्र है कि सभी घायल यात्री स्थिर हैं और उन्हें चिकित्सा सुविधा मिल रही है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बचाव दल और अधिकारियों के त्वरित और सराहनीय प्रयासों के लिए उनका आभारी हूं। मेरा कार्यालय संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है।'

स्वास्थ्य मंत्री ने बारामुला में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण, शिक्षा विभागों के कामकाज की समीक्षा की

श्रीनगर

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आज नागरिक सचिवालय में बारामुला जिले में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा विभागों के कामकाज एवं प्रदर्शन की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में विधायक उड़ी सजाद अहमद, विधायक वगूरा-क्रीरी इरफान हफीज लोन, विधायक सोपोर इरशाद अहमद कर, विधायक पट्टन जावेद रियाज बेदार, विधायक तंगमर्ग फारूक अहमद शाह, विधायक बारामुला जावेद हसन बेग, जिला विकास आयुक्त बारामुला मिंगा शेरपा, निदेशक समन्वय, नए मेडिकल कॉलेज, कॉलेजों के अलावा स्वास्थ्य, समाज कल्याण और स्कूल शिक्षा विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशक एसकेआईएमएस, सौरा, प्रिंसिपल जीएमसी, बारामुला, सीएमओ, बारामुला और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जिले भर के अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाओं और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा करते हुए, सकीना इत्तू ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, पर्याप्त चिकित्सा कर्मचारियों को सुनिश्चित करने और रोगी देखभाल को बढ़ाने के लिए चल रही परियोजनाओं पर काम में तेजी लाने के महत्व पर जोर दिया। मंत्री ने कहा, ''ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पहुंच में अंतराल को दूर करें और लोगों को जीवन रक्षक दवाओं के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करें''।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से स्वास्थ्य सुविधाओं पर स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए पैरामेडिक्स और डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरने का आह्वान किया।

मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी मेडिकल और केमिस्ट दुकानों का ड्रग ऑडिट करने का निर्देश दिया ताकि अगर कोई गड़बड़ी हो तो उसे नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि प्रतिष्ठान सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, कंप्यूटरीकृत बिलिंग सिस्टम का कार्यान्वयन और साइकोट्रोपिक दवा रिकॉर्ड के रखरखाव जैसे नियमों का पालन किया जाए।

जिले में समाज कल्याण विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों और महिलाओं के लिए विभिन्न लाभार्थी उन्मुख योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन किया। उन्होंने वित्तीय सहायता वितरित करने में पारदर्शिता और दक्षता लाने तथा लाभार्थियों को बिना किसी देरी के उनके हक का लाभ दिलाने का आह्वान किया। उन्होंने योजनाओं के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

शिक्षा क्षेत्र के संबंध में मंत्री ने शिक्षा के स्तर में सुधार, शिक्षण कर्मचारियों के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा डिजिटल शिक्षण संसाधनों में अंतराल को पाटने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान मंत्री ने रेखांकित किया कि उमर के नेतृत्व वाली सरकार सभी क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कुशल सेवा वितरण सरकार के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे विधायकों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखें तथा सुनिश्चित करें कि उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में परियोजनाओं और योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए उन्हें विश्वास में लिया जाए।

मंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए।

बैठक के दौरान विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा विभागों से संबंधित मुद्दे रखे।

प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से भेंट की

सरकार जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने जनता की समस्याओं को कम करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि इनके निवारण के लिए प्रभावी तंत्र बनाया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं कि सार्वजनिक शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और विकासात्मक पहलों में तेजी लाई जाए। हम विकास और अन्य दैनिक जीवन से संबंधित मुद्दों से अवगत हैं। इनकी निगरानी और त्वरित निष्पादन के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने यह बात नौशेरा, सुंदरबनी और राजौरी जिले के अन्य हिस्सों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत करते हुए कही। जिन्होंने आज उनसे अपने क्षेत्रों और सेवा संबंधी कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। बाद में, पूर्व विधायकों, सरपंचों, विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों ने भी उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों और क्षेत्रों के विकास संबंधी और अन्य मुद्दों को रखा।

उपमुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडलों को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों का यथाशीघ्र समाधान किया जाएगा।

युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए व्यापक कार्यक्रम चलाया गया है-उपमुख्यमंत्री

जम्मू

इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार युवाओं की तकनीकी क्षमताओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने कहा कि युवाओं को आधुनिक और बाजार आधारित तकनीकी पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि वे अपने लिए और अन्य इच्छुक लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने अखनूर रोड जम्मू में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और महिलाओं के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक के अपने व्यापक दौरे के दौरान छात्रों के साथ बातचीत करते हुए यह बात कही। उनके साथ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों से अवगत है और इस संबंध में उनके आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रवृत्तियों से दूर नहीं जाना चाहिए और मादक द्रव्यों के सेवन का सहारा नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपनी ऊर्जा और प्रयासों को मजबूत और समृद्ध देश बनाने के लिए लगाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न संकायों में अपने पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया और संस्थानों के संकाय को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उन्हें प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं, पुस्तकालय, छात्रावास और अन्य संबंधित सुविधाओं जैसी किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उप मुख्यमंत्री ने चल रहे बुनियादी ढांचे के कार्यों की गति का निरीक्षण करते हुए इन परिसंपत्तियों के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को प्रदान की जा रही मौजूदा सुविधाओं को बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री के उपयोग और इनके निर्माण के लिए निर्धारित समय-सीमा का पालन करने का उचित ध्यान रखा जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। इस सप्ताह आपके भीतर भरा हुआ आलस्य और जीवन से जुड़ी तमाम तरह की अड़चनें दूर होती हुई नजर आएंगी। सोचे हुए कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण होता हुआ देख आपके भीतर सकारात्मक विचारों और उत्साह में वृद्धि होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपकी रुचि धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यों में बढ़ेगी। इस दौरान तीर्थाटन का अचानक से कार्यक्रम बन सकता है। यह सप्ताह कला जगत एवं लेखन कार्य करने वालों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। मान-सम्मान की प्राप्ति संभव है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सहकर्मियों और अधीनस्थों से मनचाहा सहयोग मिलेगा। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह थोड़ा खर्चीला रहने वाला है। सप्ताह के अंत तक सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर बड़ी धनराशि खर्च हो सकती है। व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय के मुकाबले खर्च की अधिकता बनी रहेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में मौसमी बीमारी के प्रति सतर्क रहें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ अच्छा तालमेल रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

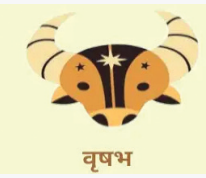

वृष राशिः वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। ऐसे में अपने खान-पान, रहन-सहन और जीवनशैली सही रखें। मौसमी बीमारी के प्रति सतर्क रहें अन्यथा आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं। सप्ताह की शुरुआत में आपको अचानक लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है। यात्रा आपाधापी भरी और उम्मीद से कम फलदायक रहने के कारण आपके भीतर निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। इस दौरान घरेलू समस्याओं को लेकर भी चिंताएं घेरे रहेंगी। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको मनचाहे रोजगार को पाने के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह सप्ताह सामन्य फलदायक रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोग अपने कारोबार को विस्तार देने अथवा लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने की योजना बनाएंगे लेकिन धरातल पर उसे उतारना कठिन साबित होगा। इस सप्ताह करियर और कारोबार से जुड़ा कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले अपने शुभचिंतकों से सलाह अवश्य लें। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं।

मिथुन राशिः मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके कारण आपकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ा सकती है। यह सप्ताह आपको अपने शरीर और धन दोनों का खूब ख्याल रखने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के प्रारंभ में आप मौसमी आथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। इस दौरान सेहत संबंधी दिक्क तों को असर आपके कामकाज के साथ आपके दैनिक जीवन पर भी पड़ सकता है। सप्ताह के मध्य में किसी विषय को लेकर परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद पैदा हो सकता है। इस दौरान अपनी वाणी और व्यवहार में विनम्रता बनाए रखें और मतभेद को मनभेद में न बदलने दें। प्रोफेशन की दृष्टि से यह सप्ताह थोड़ा उठापटक लिए रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप कामकाज का दबाव महसूस करेंगे। आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे। जिनसे अत्यधिक सावधान रहने की आवश्कता बनी रहेगी। अपनी योजनाओं के पूरा होने से पहले उसका लोगों के सामने महिमामंडन न करें। प्रेम संबंध को मजबूत बनाए रखने के लिए अपने पार्टनर की भावनाओं की कद्र करें। सप्ताह के उत्तरार्ध में संतान से जुड़ी चिंता सताएगी।

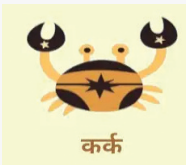

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मनचाही सफलता पाने के लिए भाग्य भरोसे बैठने की बजाय कर्म की साख को हिलाना होगा। इस सप्ताह आप जितना परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको उतना ही फल प्राप्त होगा। यदि आप किसी परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे हैं तो मनचाही सफलता को पाने के लिए आलस्य छोड़कर कठिन परिश्रम करें। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह अपने कार्यों को समय पर करने तथा सहकर्मियों और अधीनस्थों के साथ संबंध मधुर बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में सरकार से जुड़े मामलों को लेकर जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। धीमी गति से ही सही लेकिन लाभ का क्रम जारी रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में व्यावसायिक मामलों में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। कर्क राशि के जातकों को इस सप्ताह नियम-कानून की अवहेलना से बचना चाहिए। किसी भी कार्य में शार्टकट लेने से बचें अन्यथा आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। प्रेम संबंध में किसी तीसरे व्यक्ति की दखलंदाजी के कारण लव पार्टनर के साथ गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं।

सिंह राशिः सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह जीवन के किसी भी क्षेत्र में अथक परिश्रम और प्रयास करने पर ही मनचाहे फल प्राप्त हो सकेंगे। ऐसे में भाग्य भरोसे बैठने की बजाय सही दिशा में पूरे मनोयोग से कार्य करने का प्रयास करें। इस सप्ताह आपको अपने करियर और कारोबार में विशेष सावधानी के साथ समय पर काम करने की आवश्यकता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में इस संबंध में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा संभव है। यात्रा थकान भरी और उम्मीद से थोड़ा कम फलदायी साबित होगी, जिसके कारण मन में हताशा रह सकती है। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इस संबंध में किसी भी शुभ समाचार प्राप्ति के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस सप्ताह किसी के साथ साझेदारी अथवा किसी योजना में निवेश बहुत सोच-समझकर करने की आवश्यकता रहेगी। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को मनचाहे परिणाम के लिए सामान्य विद्यार्थियों की तुलना में अधिक परिश्रम की आवश्यकता करनी होगी। प्रेम संबंध को सुखमय बनाने के लिए अपने पार्टनर पर हावी होने का प्रयास न करें, बल्कि उसकी भावनाओं का सम्मान करें। अपने बिजी शेड्यूल से कुछ समय परिवार और जीवनसाथी के लिए जरूर निकालें।

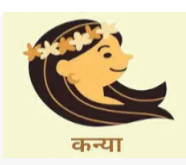

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह औसत फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के प्रारंभ में किसी पुराने रोग के उभरने से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिलने की आशंका है। सेहत का प्रभाव आपके कामकाज पर भी देखने को मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज संबंधी मुश्किलें आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से खूब सावधान रहें। यह सप्ताह करियर और कारोबार की दृष्टि से ज्यादा सकारात्मक नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में करियर और कारोबार से जुड़े फैसले खूब सोच-समझकर करें अथवा उसे कुछ समय के लिए टाल देना आपके लिए बेहतर रहेगा। अति आवश्यक होने पर इस संबंध में अपने शुभचिंतकों की सलाह लेना न भूलें। सप्ताह के उत्तरार्ध में भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति विवाद आपकी चिंता का कारण बन सकते हैं। कन्या राशि के जातक इस सप्ताह वाहन सावधानी के साथ चलाएं अन्यथा चोटिल होने की आशंका है।

तुला राशिः तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही नौकरीपेशा व्यक्ति यों पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके परिश्रम और प्रयास की सराहना न होने और सीनियर की उपेक्षा से आपको हताशा होगी, लेकिन भूलकर भी इस सप्ताह नकारात्मक विचार लाने से बचें और लोगों के साथ विनम्रता से पेश आएं, क्योंकि सप्ताह के उत्तरार्ध में एक बार फिर आपके जीवन की गाड़ी पटरी पर आती हुई नजर आ सकती है। ध्यान रहे कि इस सप्ताह आपकी बात से ही बात बनेगी और आपकी बात से ही बात बिगड़ेगी। ऐसे में घर-परिवार हो अथवा कार्यक्षेत्र लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर चलने और समर्पित भाव से कार्य करने पर ही अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। तुला राशि के जातक इस सप्ताह न सिर्फ अपने बल्कि अपने परिवार के किसी सदस्य के भविष्य को लेकर चिंतित रह सकते हैं। तुला राशि के जातकों को इस सप्ताह अपनी लव लाइफ और मैरीड लाइफ को बेहतर बनाए रखने के लिए बहुत सोच-समझकर बोलने की जरूरत रहेगी, अन्यथा आपका पार्टनर उसके गलत अर्थ निकाल सकता है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको छोटे-छोटे कार्यों को भी पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सेहत अथवा उससे जुड़ी समस्या आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है। इस दौरान खर्च की अधिकता बनी रहेगी, जिससे आपका वित्तीय स्थिति थोड़ी डगमगा सकती है। आर्थिक संकट न झेलना पड़े इसके लिए सप्ताह की शुरुआत से धन का प्रबंधन करके चलें। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो भूलकर भी जोखिम भरी योजनाओं में निवेश न करें। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में उन लोगों से खूब सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी जो अक्सर आपके विरोध में खड़े रहते हुए आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए षडयंत्र रचते हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में आय के साधनों में कमी देखने को मिल सकती है। इस दौरान की जाने वाली यात्रा में अपने सामान और सेहत दोनों का खूब ख्याल रखें। इस सप्ताह लव पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है, जिसका असर आपके रिश्ते पर दिखाई पड़ सकता है। रिश्ते को मधुर बनाए रखने के लिए संवाद और आपसी सामंजस्य बनाए रखने का प्रयास करें।

धनु राशिः धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आप जितना अधिक परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको उतनी अधिक सफलता और उपलब्धि हासिल होगी। सप्ताह की शुरुआत से आप अपने कार्य एवं जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ करते हुए नजर आएंगे। यह सप्ताह तकनीक से जुड़े प्रोफेशनल कार्य करने वालों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि आप लंबे समय से विदेश में अपने करियर अथवा कारोबार को लेकर प्रयासरत थे तो इस सप्ताह उसमें आ रही अड़चनें दूर हो जाएंगे। कारोबार में मनचाहा लाभ और विस्तार होगा। परिवार के सदस्यों के साथ प्रेम और विश्वास बना रहेगा। भाई अथवा बहन से आपको विशेष सहयोग की प्राप्ति संभव है। प्रेम संबंध की दृष्टि से पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल प्रतीत हो रहा है। इस सप्ताह घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न होने की संभावना बनेगी। लव पार्टनर के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में संतान की प्रगति से आपके मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी।

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए यह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने कार्यों में अचानक से आने वाली अड़चनों को लेकर काफी परेशान रह सकते हैं। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली दिक्क तों को दूर करने में स्वजनों और शुभचिंतकों की मदद समय पर न मिल पाना भी आपकी पीड़ा का कारण बनेगा। मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने कागजी कार्य समय से निबटाने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा उन्हें बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। यदि आप किसी योजना विशेष पर कार्य कर रहे हैं तो उसके पूर्ण होने से पहले उसका लोगों के सामने खुलासा करने से बचें। मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह लोगों की क्रिया के बदले प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए। लोगों की बातों का जवाब देने की बजाय मौन आपके लिए अधिक श्रेयस्कर रहेगा। विशेष रूप से कार्यक्षेत्र में लोगों की बातों को नजरंदाज करते हुए अपने लक्ष्य पर फोकस करें। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार आदि के जरिए लाभ तो होगा लेकिन उसके मुकाबले खर्च की अधिकता बनी रहेगी। लव लाइफ और मैरीड लाइफ को सुखमय बनाए रखने के लिए अपने पार्टनर पर भरोसा रखें और संवाद बनाए रखें।

कुंभ राशिः कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को जल्दबाजी में करने से बचना चाहिए। कुंभ राशि के जातकों को असमंजस की स्थिति तो भूलकर भी कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए अन्यथा बाद में पछतावा करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो अपने कार्य को किसी दूसरे व्यक्ति के भरोसे छोड़ने अथवा उसमें लापरवाही करने की भूल नहीं करनी चाहिए अन्यथा उसके बिगड़ने पर उच्च अधिकारियों के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। यदि आप अपने करियर अथवा कारोबार में बड़ा बदलाव करने की योजना बना रहे हैं तो ऐसा करने से पहले खूब सोच-विचारकर लें तथा अंतिम निर्णय लेने से पहले शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। सेहत और संबंध दोनों की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में अपनी जीवनशैली और खानपान सही रखें और लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने का प्रयास करें। इस सप्ताह कुंभ राशि के जातकों को अपने कामकाज के साथ अपने शरीर का ध्यान रखने की आवश्यकता रहेगी।

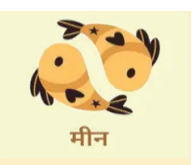

मीन राशिः मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा कम अनुकूल प्रतीत हो रहा है। सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको इस सप्ताह विशेष प्रयास करने होंगे अन्यथा आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिलने की आशंका बनी रहेगी। यदि आप नौकरीपेशा जातक हैं और आप अपनी नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं तो भूलकर भी क्रोध अथवा भावनाओं में बहकर ऐसा निर्णय न लें। वीर भोग्य वसुंधरा - इस महामंत्र को आपको पूरे सप्ताह हमेशा याद रखना होगा और परिस्थितियों के चलते पलायन करने की बजाय उनसे मुकाबला करना उचित रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य समय पर बेहतर करने से पूरा करने का प्रय करना चाहिए। यदि आप व्यवसायी हैं तो अधिक धन मुनाफा कमाने के चक्क र में नियमों का उल्लंघन करने से बचें। सप्ताह के मध्य में परिवार की जरूरतों को पूरा करने के जेब से अधिक धन खर्च करना पड़ सकता है। जिसके चलते आपकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ा सकती है। रिश्ते-नाते को बेहतर बनाए रखने के लिए मीन राशि जातकों को इस सप्ताह कई मामलों में खुद से समझौता करना पड़ सकता है। इस सप्ताह लोगों के साथ उन मुद्दों पर बहस न करें जिससे आपकी आत्मीय रिश्ते प्रभावित होने की आशंका रहती है।

पृष्ठ 1 का शेष

जम्मू-कश्मीर में निवेश के लिए भूमि निवेश

बाधा बनती हैं। उन्होंने हितधारकों को उद्योग-अनुकूल नीति ढांचे के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए आगामी बजट के लिए सुझाव और प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री सतीश शर्मा ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। उन्होंने पिछली कमियों को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया और नवीन विपणन रणनीतियों के माध्यम से कश्मीर के प्रसिद्ध आतिथ्य का लाभ उठाते हुए खेल पर्यटन, स्वास्थ्य पर्यटन और सीमा पर्यटन को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया।

इस अवसर पर संयुक्त प्रबंध निदेशक और सीईओ जेके सीमेंट्स लिमिटेड और अध्यक्ष भारतीय उद्योग परिसंघ उत्तरी क्षेत्र माधव सिंघानिया, एफआईएल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड समूह के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष सीआईआई जेएंडके सैयद जुनैद अल्ताफ, निदेशक पैकेज डिजाइन इंडस्ट्रीज और उपाध्यक्ष सीआईआई जेएंडके डॉ. एम. ए. अलीम भी उपस्थित थे।

गुलाम मानसिकता वाले लोग विदेशी समर्थन से भारत

दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।''

मोदी की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कुप्रबंधन और भगदड़ की घटनाओं का हवाला देते हुए महाकुंभ को 'मृत्यु कुंभ' करार दिए जाने के बाद उठे विवाद के बीच आई है। ममता ने अधिकारियों पर मृतकों की संख्या दबाने का भी आरोप लगाया था।

महाकुंभ को सफल आयोजन बनाने में स्वच्छता कर्मियों और पुलिस कर्मियों की भूमिका की प्रशंसा करते हुए, मोदी ने कहा कि इस एकता के महाकुंभ में हजारों डॉक्टर और स्वयंसेवक स्वेच्छा से समर्पण और सेवा की भावना से लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, यह एकता का महाकुंभ है जहां हजारों डॉक्टर और स्वयंसेवक समर्पण और सेवा की भावना के साथ काम कर रहे हैं। एकता के महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु इन प्रयासों की सराहना कर रहे हैं।

मोदी ने करोड़ों लोगों की मौजूदगी वाले इस विशाल धार्मिक समागम में जरूरतमंद लोगों को नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा दी गई सेवाओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सदियों से हिंदू मठ, धाम और मंदिर पूजा और आस्था के साथ-साथ विज्ञान और शोध के केंद्र के रूप में काम करते रहे हैं।

उन्होंने कहा, हिंदू संतों ने योग और विज्ञान का ज्ञान दिया। दुनिया योग का अनुसरण कर रही है। योग ने देश को गौरवान्वित किया है और हमारा झंडा ऊंचा किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा %सबका साथ, सबका विकास% के सिद्धांत के साथ काम किया है और %सबका इलाज और सबको आरोग्य% का संकल्प भी जोड़ा है।

उन्होंने कहा, मोदी आपका बेटा है और मैं आप सभी की सेवा करता रहूंगा।

कैंसर जैसी घातक बीमारी से लड़ने में अपनी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि अगले तीन वर्षों में देश के सभी जिलों में कैंसर 'डे- केयर सेंटर' खोले जाएंगे।

उन्होंने कैंसर से लड़ने के लिए बजट में किए गए प्रावधानों और कैंसर की दवाओं को सस्ता करने के निर्णय का भी जिक्र किया।

श्री बागेश्वर आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान के तहत स्थापित होने वाला कैंसर अस्पताल बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर संत धीरेंद्र शास्त्री की योजना है।

प्रधानमंत्री ने धीरेंद्र शास्त्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस आधुनिक कैंसर अस्पताल के माध्यम से लोगों, गरीबों और कैंसर रोगियों की सेवा के लिए एक और महत्वपूर्ण पहल की है, जिसका निर्माण गरीब बुंदेलखंड क्षेत्र में किया जाएगा।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और शास्त्री ने भी सभा को संबोधित किया।

मोदी ने कहा कि पहले चरण में 218 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल अगले दो वर्षों में बनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एसएटीटीई 2025 में पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर घूमने के लिए आमंत्रित किया

'जम्मू और कश्मीर घरेलू पर्यटकों के लिए भारत का प्रमुख गंतव्य है'

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोगों से जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है और यह साल भर चलने वाला गंतव्य है।

उन्होंने ये टिप्पणी यशोभूमि, नई दिल्ली में एसएटीटीई (दक्षिण एशिया के यात्रा और पर्यटन एक्सचेंज) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए की।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि थे, ने कहाः चाहे आप तीर्थयात्रा या धार्मिक पर्यटन की तलाश में हों, चाहे आप शादी या सगाई के लिए गंतव्य की तलाश में हों, चाहे आप बस एक इंस्टाग्राम या टिकटॉक प्रभावक बनना चाहते हों, या आप साहसिक पर्यटन के लिए जाना चाहते हों, या बस एक किताब के साथ बैठकर सुंदर और प्राकृतिक परिवेश का आनंद लेना चाहते हों, जम्मू और कश्मीर में आपके लिए सब कुछ है।

जम्मू और कश्मीर एसएटीटीई 2025 में भाग ले रहा है, जो जम्मू-कश्मीर के लुभावने परिदृश्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का प्रदर्शन कर रहा है।

इस वर्ष का एसएटीटीई कार्यक्रम 2,000 से अधिक प्रदर्शकों की मेजबानी करेगा और दुनिया भर से 40,000 से अधिक आगंतुकों के आकर्षित होने की उम्मीद है।

यह राष्ट्रीय और राज्य पर्यटन बोर्डों के साथ-साथ यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योगों के घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों और पेशेवरों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है।

कश्मीर में कवि अमीर खुसरो के प्रसिद्ध फ़ारसी दोहे की पृष्ठभूमि के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहाः यह 13वीं-14वीं शताब्दी के लाल किले में अंकित है, मूल रूप से कहता है कि अगर धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, वह यहीं है, वह यहीं है, जम्मू और कश्मीर के बारे में बात करते हुए।

एक पसंदीदा अवकाश और फिल्म शूटिंग स्थल के रूप में कश्मीर के अतीत पर विचार करते हुए, उमर अब्दुल्ला ने टिप्पणी कीः जम्मू और कश्मीर के बारे में कोई ऐसा क्या कहता है जो पहले से नहीं कहा गया है? भारत में किसी भी हनीमून को तब तक हनीमून नहीं माना जाता जब तक कि उसकी योजना डल झील के हाउसबोट में न बनाई गई हो। भारत में कोई भी फिल्म तब तक पूरी नहीं मानी जाती जब तक उसमें हमारे सरसों के खेतों या बर्फ से ढके पहाड़ों का कम से कम एक दृश्य न हो, और कोई भी छुट्टी तब तक छुट्टी नहीं होती जब तक कि वह जम्मू-कश्मीर में कहीं न बिताई गई हो।

पिछले तीन दशकों में जम्मू-कश्मीर के सामने आने वाली चुनौतियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र कठिन समय से उभर रहा है।

क्या हमारे पास नज़र, बुरी नज़र की यह अवधारणा हो सकती है। उस सारी सुंदरता का परिणाम कुछ गलत होना ही था। 30-35 साल का बहुत कठिन समय, जिससे जम्मू-कश्मीर अब उभर रहा है।

उन्होंने घरेलू पर्यटन के पुनरुद्धार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जम्मू-कश्मीर एक बार फिर घरेलू पर्यटन के लिए भारत के प्रमुख गंतव्यों में से एक है।

विभिन्न दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों द्वारा जारी यात्रा सलाह के साथ हमारे सामने आने वाली कठिनाइयों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन बढ़ रहा है।

उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि जम्मू और कश्मीर अपनी उपलब्धियों पर आराम नहीं कर रहा है, आपको एक नरम कहानी बेचने की कोशिश नहीं कर रहा है क्योंकि, जैसा कि यहां आने से पहले मुझे मिले बहुत गर्मजोशी भरे परिचय में यह स्पष्ट हो गया था, जम्मू और कश्मीर में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

क्षेत्र की निवेश क्षमता पर बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने टिप्पणी कीः जम्मू और कश्मीर आज पर्यटन उद्योग के साथ किसी भी और हर क्षेत्र में निवेश के लिए एक उपयुक्त गंतव्य है, और यही कारण है कि हमारे लिए, मेरे साथ आई टीम के लिए, ैम् में वापस आना खुशी की बात है। हम उस महत्व को समझते हैं जो ैम् एक इवेंट के रूप में पर्यटन और यात्रा प्रचार कार्यक्रमों के लिए वार्षिक कैलेंडर में रखता है।

जम्मू-कश्मीर में नए और उभरते पर्यटन स्थलों के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहाः जम्मू और कश्मीर पहलगाम या कश्मीर के गुलमर्ग या अन्य स्थानों से परे है। जब आप जम्मू-कश्मीर के बारे में बात करते हैं, इसी तरह जब आप कश्मीरी वाज़वान भोजन के बारे में बात करते हैं, तो आप पाक व्यंजन गुश्ताबा और रिस्ता के बारे में बात करते हैं, और ये दो चीजें हैं जिनके बारे में सभी ने सुना है। जब हम जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के बारे में बात करते हैं, तो पहलगाम और गुलमर्ग तुरंत दिमाग में आते हैं। लेकिन जम्मू-कश्मीर उससे भी बढ़कर है।

सतीश शर्मा ने जेकेआरटीसी कार्यालय में निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया

घर-द्वार पर सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

जम्मू

एफसीएसएंडसीए, परिवहन युवा सेवाएं एवं खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआरआई एवं प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने जेकेआरटीसी कार्यालय में आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया।

शिविर का आयोजन एसआईबीए द्वारा जेकेआरटीसी के सहयोग से परिवहन कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य सेवा से संबंधित विभिन्न निजी अस्पतालों एवं क्लीनिकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें अमनदीप अस्पताल, शार्प साइट, शाइन एंड ग्लो, सर्वांग आयुग्रह, पाथ स्क्वायर, हियर क्लियर आदि शामिल थे।

चिकित्सा शिविर का आयोजन जेकेआरटीसी के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा एवं निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था।

विभिन्न क्लीनिकों एवं स्वास्थ्य सेवा केंद्रों से विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम ने जेकेआरटीसी के कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके परिवारों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने नेत्र जांच, दृष्टि दोष, रक्तचाप, मधुमेह, दंत चिकित्सा, बाल और त्वचा की जांच आदि सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान उन्हें मुफ्त दवा भी वितरित की गई।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने ड्राइवरों के समर्पण की सराहना की, जो मौसम या परिस्थिति की परवाह किए बिना समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करते हैं।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ड्राइवर एक जिम्मेदार और प्रगतिशील समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि उनका व्यवहार उनके संघर्ष के समय में अपने वाहनों में यात्रा करने वाले युवा दिमाग को प्रभावित करता है।

उन्होंने प्रतिभागियों से सीट बेल्ट पहनने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बचने सहित सड़क सुरक्षा उपायों का पालन करके जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आग्रह किया।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि ड्राइवरों के लिए मासिक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाने चाहिए ताकि उन्हें कार्यालय परिसर में नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सके और उनकी बीमारी का मुफ्त इलाज/दवा मिल सके।

जेकेआरटीसी जम्मू प्रांत के कर्मचारियों ने महाशिवरात्रि के त्योहार को मनाने के लिए लंगर का भी आयोजन किया है।

इस अवसर पर जेकेआरटीसी के प्रबंध निदेशक राकेश कुमार सरंगल, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी और निगम के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जलवायु परिवर्तन जागरूकता पर जोर दिया, जम्मू-कश्मीर में जल संकट के खतरे पर प्रकाश डाला

जम्मू विश्वविद्यालय में एनईपी-2020 पर क्षमता निर्माण कार्यशाला को संबोधित किया, 'डिज़ाइन योर डिग्री' कार्यक्रम की सराहना की

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर जलवायु परिवर्तन से गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, खासकर जल संकट के रूप में, उन्होंने अधिक जागरूकता और कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने जम्मू विष्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में 'एनईपी-2020 के कार्यान्वयन के लिए इनोवेशन पेडागॉजी में क्षमता निर्माण' पर तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हम अपने लोगों को जलवायु परिवर्तन के साथ क्या हो रहा है और इससे होने वाले खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं। राजनीतिक नेताओं के रूप में यह जिम्मेदारी हमारी है।''

कार्यशाला का आयोजन मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा कौशल ऊष्मायन, नवाचार, उद्यमिता विकास केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जम्मू विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर उमेश राय, एसएमवीडी विश्वविद्यालय, बीजीएसबीएस विश्वविद्यालय और जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय के उपकुलपतियों के साथ-साथ वरिष्ठ संकाय सदस्यों, विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यों और छात्रों ने भाग लिया।

जलवायु परिवर्तन के गंभीर मुद्दे को हल करते हुए, मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में चिंताजनक वर्षा की कमी पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 'डिजाइन योर डिग्री' कार्यक्रम पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार अपनी शिक्षा को आकार देने, उनके कौशल को बढ़ाने और उभरती नौकरी बाजार की मांगों के साथ संरेखित करने का अधिकार देती है।

उन्होंने कहा जैसे-जैसे जम्मू और कश्मीर के निजी क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, विशेष रूप से उद्योग और पर्यटन में, और जैसे-जैसे यह क्षेत्र राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में एकीकृत होगा, नौकरी के अधिक अवसर सामने आएंगे। जम्मू विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मान्यता मिलने से, प्रासंगिक कौशल से लैस छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। उच्च प्रतिशत हासिल करने के लिए छात्रों पर पड़ने वाले दबाव पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा यह आश्चर्यजनक है कि हम अपने बच्चों पर कितना दबाव डालते हैं। जब आप दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष कॉलेजों के लिए कट-ऑफ प्रतिशत देखते हैं तो यह सवाल उठता है कि 100 प्रतिषत से अधिक क्या है?

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिज़ाइन योर डिग्री कार्यक्रम छात्रों को उन विषयों का अध्ययन करने की अनुमति देकर शिक्षा में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक है जो वास्तव में उनकी रुचि रखते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षा और उद्योग पर एआई के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे सीखने और काम करने के तरीके को नया आकार दे रहा है। हालांकि यह शैक्षणिक कार्यों के लिए चैटजीपीटी जैसे टूल का उपयोग करने में आसानी जैसी चुनौतियां पेश करता है, लेकिन यह नवाचार और विकास के लिए अपार अवसर भी प्रदान करता है।

उन्होंने कार्यक्रम के कार्यान्वयन के मार्गदर्शन में डिज़ाइन योर डिग्री पहल के अग्रदूतों, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की भूमिका को स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता और विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर के रूप में, जम्मू विश्वविद्यालय को उसके शैक्षणिक प्रयासों में समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने पुष्टि की, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब तक मैं यहां हूं, मैं जम्मू विश्वविद्यालय को बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूं वह करूंगा। प्रतिष्ठित एनएएसी ए. मान्यता प्राप्त करने के लिए जम्मू विश्वविद्यालय के उपकुलपति, संकाय और छात्रों को बधाई देते हुए, सीएम ने तीन दिवसीय कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने डिज़ाइन योर डिग्री कार्यक्रम के तहत सरकारी महिला कॉलेज परेड और जम्मू विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ भी बातचीत की, जिन्होंने अपने सीखने के अनुभव साझा किए। उन्होंने बातचीत को प्रेरणादायक बताया और युवा और प्रतिभाशाली दिमागों के साथ इस तरह की और भागीदारी के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने जन प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व विचार-विमर्श का समापन किया

किश्तवाड़, डोडा जिलों के प्रतिनिधियों के साथ परामर्शदात्री बैठकों की अध्यक्षता की

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू के नागरिक सचिवालय में जम्मू संभाग के किश्तवाड़ और डोडा जिलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर जन प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श का समापन किया।

किश्तवाड़ जिले के सत्र की अध्यक्षता करते हुए, मुख्यमंत्री ने विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, जो जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाडुर-नागसेनी का प्रतिनिधित्व करते हैं, किश्तवाड़ के जिला विकास परिषद के अध्यक्ष और जिले के विधान सभा के सदस्यों सहित जन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

प्रतिनिधियों ने अपनी मांगें और मुद्दे प्रस्तुत किए, मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि बजट निर्माण में उनके सुझावों पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों के जन प्रतिनिधियों के साथ परामर्श की श्रृंखला समाप्त हो गई है, जिससे लोगों के सामने आने वाले जमीनी स्तर के मुद्दों पर मूल्यवान सुझाव प्रदान किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा ये बातचीत हमें लोगों की प्राथमिकताओं को समझने में मदद करती है। चूंकि आप जनता से सीधे जुड़े हुए हैं, इसलिए आपके सुझाव नीति-निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' इसी प्रकार, डोडा जिले के प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अपनी विकास प्राथमिकताओं और चिंताओं पर चर्चा की।

दोनों जिलों के बारे में उठाए गए प्रमुख मुद्दों में शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में कर्मचारियों की कमी, पेयजल आपूर्ति, सड़क कनेक्टिविटी और चैड़ीकरण, सुरंगों का निर्माण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी में सुधार को सामने रखा गया।

किश्तवाड़ और डोडा के उपायुक्तों ने अपनी प्रस्तुति में विधायकों द्वारा प्राथमिकता दी गई मांगों का निर्वाचन क्षेत्र-वार विवरण प्रदान किया। डीडीसी अध्यक्षों और विधायकों ने बजट निर्माण प्रक्रिया में उन्हें शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आग्रह किया कि यह सहभागी दृष्टिकोण एक नियमित सुविधा के रूप में जारी रहना चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रमुख सचिव वित्त संतोष डी. वैद्य, महानिदेशक बजट एम.एस. मलिक, महानिदेशक व्यय प्रभाग-1 सज्जाद हुसैन गनई और अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।